आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
देहरादून	29°C	24°C

इनसाइड न्यूज

फर्जी बोर्ड लगाकर जनता को गुमराह कर रहा जनता हॉस्पिटल

उत्तर प्रदेश पेज : 7

देहरादून और लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

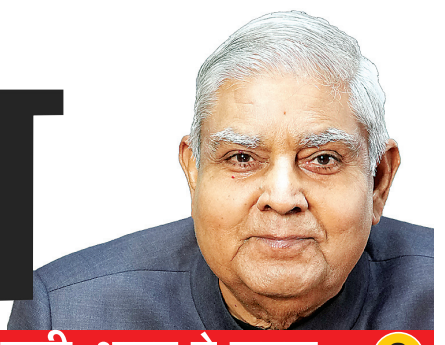

रविवार 20 जुलाई, 2025 | पेज : 8 | मूल्य : ₹2.00/- देहरादून | वर्ष : 11, अंक : 227 | www.janexpresslive.com/epaper

ऑपरेशन सिंदूर जारी, भारत ने सबक... 8

जांच से पहले निष्कर्ष न निकालें

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें, अमेरिकी अधिकारी बोलीं, भारत को पूरी जांच करने दें

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आईं मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी।

एफआईपी बोला, इससे पश्चिमी मीडिया को चेतावनी मिलेगी

डब्लूएसजे ने बताया था कि यह खुलासा दोनों पायलटों के बीच बातचीत की कॉकपिट रिकॉर्डिंग से हुआ है। वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चला कि बोइंग विमान उड़ा रहे को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कैप्टन सुमीत सभरवाल से पूछा, आपने फ्यूल स्विच को कटऑफ पोजिशन में क्यों कर दिया? सवाल करते समय को-पायलट हैरान थे। उनकी आवाज में घबराहट थी, जबकि कैप्टन सुमीत शांत लगे। भारतीय पायलट महासंघ के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा ने एनटीएसबी के इस बयान का स्वागत किया और कहा कि इससे पश्चिमी मीडिया को चेतावनी मिलेगी जो बिना पुख्ता आधार के कहानियां छापता है। उन्होंने कहा, फहमारी अपनी जांच प्रक्रिया है और हमें इसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।

एएआईबी ने वॉल स्ट्रीट रिपोर्ट पर कहा था, अभी इंतजार करें

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह बात जांच से जुड़े अमेरिकी सूत्रों के हवाले से दी है। इसके बाद एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने कहा है कि सभी लोग अंतिम रिपोर्ट आने का इंतजार करें। जांच अभी चल रही है और अभी किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा।

भारत ने भी पायलटों की बातचीत सार्वजनिक की थी

इससे पहले एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई को प्लेन क्रैश पर अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया था कि फ्यूल स्विच अचानक रन से कटऑफ पोजिशन में चले गए थे, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि फ्यूल स्विच कैसे बंद हुए। एएआईबी की रिपोर्ट में बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर पर एक पायलट को दूसरे से यह पूछते हुए सुना गया कि उसने फ्यूल क्यों बंद कर दिया। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।

एफआईपी ने डब्लूएसजे और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजा

- रंधावा ने कहा कि एफआईपी ने फ्लाइट एआई-171 की दुर्घटना पर पब्लिश रिपोर्टों को लेकर अमेरिका की दो प्रमुख मीडिया संस्थाओं वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भी भेजा है। संघ का आरोप है कि दोनों मीडिया संस्थानों ने बिना पुष्टि के भ्रामक और गलत सूचनाएं पब्लिश कीं, जिससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गहरा नुकसान पहुंचा है।
- रंधावा ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि डब्लूएसजे और रॉयटर्स को भेजे गए ईमेल में यह साफ कहा गया है कि उनकी रिपोर्टिंग न सिर्फ तथ्यहीन थी, बल्कि इससे भारत की विमानन सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत धारणा भी बनी है।
- एफआईपी ने विशेष रूप से रॉयटर्स से यह अपेक्षा जताई है कि वह 17 जुलाई को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट की समीक्षा करे, उसे संशोधित करे और उसमें यह स्पष्ट अस्वीकरण जोड़े कि फिलहाल कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है और उनकी रिपोर्ट स्रोतों पर आधारित थी, न कि तथ्यों पर।
- संघ का कहना है कि ऐसी रिपोर्टिंग से न केवल मृतक पायलटों की छवि धूमिल हुई है, बल्कि उनके परिजनों को भी अनावश्यक मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी है। इससे पायलट समुदाय का मनोबल भी प्रभावित हुआ है, जो पहले से ही उच्च दबाव में कार्य करता है।

एनटीएसबी के बयान पर जताई खुशी

भारतीय पायलट संघ के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि हम एनटीएसबी बोर्ड के बयान से खुश हैं। इससे पश्चिमी मीडिया में चल रही रिपोर्टों पर रोक लगेगी। वे अपनी ही दुनिया में मस्त हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित करके बच निकल सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट है। हमें अंतिम रिपोर्ट आने का इंतज़ार करना होगा। देश में विमानन दुर्घटनाओं और महत्वपूर्ण परिवहन घटनाओं की जांच के लिए जिम्मेदार अमेरिकी संघीय एजेंसी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने मीडिया में आई हालिया कवरेज की कड़ी आलोचना की थी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में किया गया बेतुका दावा

इससे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से संकेत मिलता है कि कैप्टन ने उड़ान भरने के तुरंत बाद ईंधन नियंत्रण स्विच बंद कर दिए होंगे, जिससे कॉकपिट में घबराहट फैल गई। इसके बाद एएआईबी ने सभी को समय से पहले निष्कर्ष निकालने या असत्यापित जानकारी प्रसारित करने के प्रति आगाह किया था।

एअर इंडिया एक्सप्रेस का हैदराबाद-फुकेत विमान वापस लौटा

एअर इंडिया एक्सप्रेस की हैदराबाद से फुकेत जाने वाली एक उड़ान को शनिवार सुबह वापस लौटना पड़ा। विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया। उड़ान आईएक्स 110 ने सुबह 6.40 बजे हैदराबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। हालांकि, फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटरडार24 की मानें तो विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस मुड़ गया और हैदराबाद लौट आया। उड़ान वापस लौटने से पहले केवल 16 मिनट तक हवा में रही। विमान वापस क्यों लौटा? इसका कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। एअर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है।

छांगुर पर कसता जा रहा एटीएस का शिकंजा

भतीजे सबरोज और उसके साथी शहाबुद्दीन को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

अवैध धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर पर एटीएस का शिकंजा कसता जा रहा है। टीम ने शनिवार को छांगुर के भतीजे सबरोज उर्फ इमरान उर्फ बुद्धू और उसके सहयोगी शहाबुद्दीन निवासी रेहरा माफी, थाना गैडास बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। दोनों छांगुर के इशारे पर आजमगढ़ में धर्मांतरण का कार्य कर रहे थे। इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी। इसके अलावा एटीएस छांगुर गिरोह के अन्य सदस्यों की भी छानबीन कर रही है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों में विदेश से फंडिंग के पुख्ता सुराग मिले हैं। ईडी के मुताबिक, छांगुर और उसके करीबियों के 22 खातों के विश्लेषण के बाद करीब 60 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग होने से जुड़े प्रमाण मिले हैं। इसमें छांगुर, नवीन रोहरा और नीतू रोहरा की भूमिका सामने आई है। ईडी को छांगुर से जुड़े एक बुटीक से संपत्तियों के दस्तावेज भी

बरामद हुए हैं। सुभाषनगर स्थित आसवी बुटीक कॉम्प्लेक्स को सील कर दिया गया है। इसी बुटीक में छांगुर सारे अवैध धंधे के कागजात रखता था। ईडी ने बृहस्पतिवार को छांगुर और उसके करीबियों के बलरामपुर, मुंबई व लखनऊ के 15 ठिकानों पर छापा मारा था। शुक्रवार दोपहर तक चली जांच में सामने आया कि छांगुर को मिली रकम से यूपी और महाराष्ट्र में कई संपत्तियों को खरीदा गया जिसमें अधिकांश नवीन व नीतू के नाम हैं। छांगुर और उसके करीबियों के ठिकानों की तलाशी में ईडी को विदेशी संस्थाओं से संबंध होने का पता चला है।

पीड़ित की अनुपस्थिति में घर आता था आरोपी

सलमान अकसर युवक के घर में मौजूद न रहने पर ही आता था। पीड़ित का कहना है कि उसने कई बार साली को इसके लिए टोका भी, पर वह सलमान को अपना दोस्त बताकर टालमटोल कर देती। आरोप लगाया कि सलमान तीनों को धर्म बदलने पर मोटी रकम मिलने की बात भी कहता था। पत्नी ने जब पीड़ित से इसकी चर्चा की तो उसने इन्कार कर दिया था। युवक का कहना है कि उसे नहीं अंदाजा था कि आरोपी उसके परिवार को भ्रमित कर देगा।

दो दिन तलाश के बाद पहुंचे थाने

पीड़ित का कहना है कि सलमान मंगलवार को तीनों का अपहरण कर भाग निकला। घर पहुंचने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। इसके बाद संभावित स्थानों पर तीनों की खोजबीन की, पर सफलता नहीं मिली। दो दिन बाद वह थाने पहुंचा और आपबीती बताई। पीड़ित ने बताया कि सभी के फोन बंद हैं। पुलिस के मुताबिक सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। आरोपी के साथ और कौन लोग मिले हैं, इसकी जानकारी की जा रही है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि सलमान की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एटीएस ने दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए थे

मुंबई में नवीन रोहरा के करीबी सहयोगी शहजाद शेख के मोबाइल फोन में क्रोएशियाई मुद्रा 'कुना' की तस्वीर मिली है। धर्मांतरण रैकेट में विदेशी मुद्रा की भूमिका की अधिक जानकारी जुटाने के लिए ईडी शेख के मोबाइल डिवाइस से डेटा का विश्लेषण कर रही है। ईडी को छापों के दौरान छांगुर के अवैध धर्मांतरण के सिंडिकेट से जुड़े दस्तावेज बरामद नहीं हुए। अधिकारियों के मुताबिक एटीएस द्वारा पूर्व में ही सारे दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए गए थे।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 जेट गिरे : ट्रम्प

किस देश के यह नहीं बताया, 24वीं बार कहा, सीजफायर मैंने कराया

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। साथ ही उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में पांच जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। ट्रम्प ने ये बात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान कही। ट्रम्प अब तक 24 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की बात कह चुके

हैं। पहली बार ऐसा दावा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर किया था। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने लड़ाई में 5 भारतीय विमान मार गिराए थे। वहीं, भारत ने भी कहा था कि पाकिस्तान के कुछ विमान गिराए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने किसी भी विमान के नुकसान से इनकार किया, लेकिन हवाई ठिकानों को निशाना बनाने की बात मानी थी।

ट्रम्प बोले थे, हम संघर्षों को निपटाने में बहुत सफल रहे

इससे पहले 14 जुलाई को ट्रम्प ने अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को बढ़ने से रोक दिया था। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ अपनी बैठक के दौरान कीं। ट्रम्प ने कहा, हम युद्ध को निपटाने में बहुत सफल रहे हैं। उन्होंने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए कहा, हमने व्यापार के माध्यम से ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते, हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे, और उन्होंने ऐसा किया।

कांवड़ियों ने बेटे के सामने सीआरपीएफ जवान की लात-घूसों से की पिटाई, सात को किया गया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफार्म नंबर एक पर बुकिंग कार्यालय के पास शनिवार की सुबह किसी बात को लेकर सीआरपीएफ जवान और कांवड़ियों में विवाद हुआ। विवाद के बाद कांवड़ियों ने लात-घुसों से सीआरपीएफ जवान की पिटाई कर दी। रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया। मामले में आरपीएफ ने सात कांवड़ियों को गिरफ्तार किया। इसमें चार नाबालिग है। देहात कोतवाली के खुटहां निवासी सीआरपीएफ जवान गौतम अपने पुत्र और साथी के साथ शुक्रवार की सुबह रेलवे स्टेशन मिर्जापुर पहुंचे। वह ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से जाने वाले थे। सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर सीआरपीएफ जवान का कोई साथी सामान लेने गया। स्टेशन पर काफी संख्या में कांवड़ियां ब्रह्मपुत्र एक्सप्रस से बैजनाथ धाम जाने के लिए पहुंचे थे। पुत्र के साथ खड़े सीआरपीएफ जवान का वहां मौजूद कांवड़ियों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

दक्षिण ईरान में भीषण सड़क हादसा : बेकाबू बस के पलटने से 21 लोगों की मौत, करीब 34 घायल

- हर साल लगभग 17,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तेहरान

दक्षिण ईरान में एक बस के पलटने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग घायल हो गए हैं। यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने शनिवार को दी। यह हादसा फार्स प्रांत की राजधानी शीराज के दक्षिण में हुआ है। फार्स प्रांत के आपातकालीन संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि हादसा सुबह 11:05 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया।

कैसे हुआ हादसा?

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक यात्री बस जो शीराज की ओर जा रही थी, अनियंत्रित होकर पलट गई। यह बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा उस समय हुआ जब बस चालक ने एक मोड़ पर नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे के तुरंत बाद, आपातकालीन राहत दल और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

उन्होंने बताया कि राहत और बचाव कार्य अभी जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही सही आंकड़े और अन्य जानकारी दी जाएगी। हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल माना जा रहा है कि हादसा या तो चालक की लापरवाही, वाहन में खराबी हो सकती है।

ईरान में सड़क हादसों में हर साल 17 हजार से अधिक मौतें

ईरान में सड़क हादसों की संख्या काफी अधिक है। यहां हर साल लगभग 17,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं। इन हादसों का मुख्य कारण सुरक्षा नियमों की अनदेखी, पुराने वाहनों का इस्तेमाल और आपात सेवाओं की कमी बताया जाता है।

जमीन पर बैठ खुद से ऑक्सीजन ले रहा मरीज...वीडियो वायरल

जन एक्सप्रेस। आजमगढ़

आजमगढ़ के जिला मंडलीय चिकित्सालय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल कर रख दी। एक टीबी का मरीज सांस की डोर यानी आक्सीजन लगाकर जमीन पर बैठा हुआ है। उक्त वीडियो को अखिलेश यादव ने एक्स पर ट्वीट करते हुए सवाल किया कि %स्वास्थ्य मंत्री जी को ये मरीज दिख रहा है क्या? करते हुए निशाना साधा है। वहीं मामले की जांच कर स्वास्थ्य विभाग के एसआईसी ने सफाई दी है। जानकारी

मुताबिक आजमगढ़ के तरवां निवासी राजू टीवी की बीमारी के कारण आजमगढ़ के मंडली अस्पताल में 17 जुलाई को भर्ती कराया गया था। मंडलीय अस्पताल के एसआईसी डॉ. ओम प्रकाश सिंह का कहना है कि मरीज को चेस्ट इन्फेक्शन हुआ था। उसे आक्सीजन दिया गया था।

स्वास्थ्य विभाग में मची खलबली

इसी बीच बिस्तर पर ही टॉयलेट कर दिया था। वह नीचे उतरकर अपनी पत्नी के आने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान किसी ने वीडियो बना लिया। चिकित्सा अधीक्षक का कहना है कि इस तरह से किसी मरीज का वीडियो बनाने बेहद गलत है। कारण कि यह मरीज का निजी मामला है। उसकी गोपनियता है। ऐसे में किसी का वीडियो बनाकर वायरल करना गलत है। इस मामले में सिस्टम इंचार्ज को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही ये भी कहा गया है कि आखिर कोई अंदर आकर कैसे वीडियो बना सकता है। मरीज की देखभाल के लिए दो डॉक्टर लगाए गए हैं। टीबी वार्ड में दूसरे बेड में शिफ्ट भी कर दिया गया है। यदि मरीज को यहां आराम नहीं मिलेगा तो उसे रेफर कर दिया जाएगा। वहीं, वायरल वीडियो को आखिलेश यादव ने एक्स पर ट्वीट कर सरकार से सवाल पूछा है।

उत्तराखंड निवेश उत्सव : सीएम धामी ने देश की सुरक्षा और सहकारिता की सफलता को सराहा

जन एक्सप्रेस। ऊधम सिंह नगर

ऊधम सिंह नगर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पंतनगर एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आज प्रदेश सरकार एक लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग होने पर निवेश उत्सव मना रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड निवेश उत्सव कार्यक्रम में कहा कि आज देश में आतंकवाद और नक्सलवाद सिर उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। आज देश ने सहकारिता के क्षेत्र में भी नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज का अवसर उत्तराखंड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में अंकित हुआ है। हम उत्तराखंड वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन का तीसरा ग्राउंडिंग समारोह कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निवेश उत्सव के कार्यक्रम के दौरान कई सौगातें जनता और विभागों को देंगे। वे सिडकुल की कंपनियों और अन्य जगहों पर काम करने वाली महिलाओं के लिए रुद्रपुर में 126 करोड़ की लागत के दो कामकाजी छात्रावासों का शिलान्यास करेंगे। रुद्रपुर के गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण व 31वीं वाहिनी पीएसी में टाइप

द्वितीय के 47.79 करोड़ की लागत से बनने वाले टाईप द्वितीय के 108 आवासों का शिलान्यास होगा। मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए गृह मंत्री शाह 1165.4 करोड़ की विभिन्न विभागों की 14 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें 40वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार में टाइप द्वितीय के 108 आवास, नए कानून के क्रियान्वयन के लिए वीसी कक्ष शामिल हैं। रुद्रपुर में एनएच 87 पर डीडी चौक से इंदिरा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, नैनीताल में मेट्रोपोल होटल परिसर में सरफेस पार्किंग, चंपावत में मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल मल्टी लेवल कार पार्किंग और कॉम्प्लेक्स निर्माण शामिल है। टनकपुर में पेयजल आपूर्ति के संबंधित विकास कार्य, हल्द्वानी में प्रशासनिक भवन सहित बस टर्मिनल संबंधी कार्य और हल्द्वानी में बारिश के पानी की प्रबंधन प्रणाली व सड़क निर्माण संबंधित विकास कार्य का भी शिलान्यास होगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- उत्तराखंड आकर नई ऊर्जा लेकर जाता हूं, थपथपाई सीएम की पीठ

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड आकर नई ऊर्जा लेकर जाता हूं। यहां की नदियां आधे भारत को पीने और सिंचाई का पानी देती हैं। 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से कहा था कि एमओयू लाने नहीं उसे धरातल में उतरना असल पराक्रम है। मुख्यमंत्री को धन्यवाद है कि एक लाख करोड़ के निवेश को ग्राउंडिग हो रही है। पहाड़ी राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जैसा कठिन है। मुख्यमंत्री ने विपरीत परिस्थितियों और कल्पनाओं के मिथक को तोड़ते हुए एक लाख हजार करोड़ का निवेश आ चुका है। इससे 81 हजार से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है। राज्य आंदोलन में कांग्रेस ने आंदोलनकारियों पर अत्याचार किया। भाजपा और पीएम अटल बिहारी ने राज्य बनाया था। अटल बिहारी ने तीन राज्य बनाए थे और तीनों अपने पैरों पर खड़े होकर चल रहे हैं। 2014 से मोदी सरकार इन राज्यों को संवारने का काम कर रही है। कहा कि 2027 में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था होगी। कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा अच्छे कामों पर राजनीति करती है। मनमोहन सरकार ने दस साल में उत्तराखंड को 53 हजार करोड़ दिए थे और मोदी सरकार के दस साल में 1 लाख 86 हजार करोड़ दिए है। कांग्रेसी थोड़े बहुत बचे दिखाई देते है और वो कुछ वर्षों में दिखाई भी नहीं देंगे। उन्होंने उत्तराखंड में निवेश सहित तमाम कार्यों और बेहतर सरकार चलने पर सीएम धामी की खूब पीठ थपथपाई।

उत्तराखंड एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्स प्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | देहरादून, रविवार, 20 जुलाई, 2025

देहरादून में नकली दवाओं की फैक्ट्री का...

ब्रांडेड कंपनियों की नकली दवाओं के निर्माण और सप्लाई से जुड़े एक बड़े सिंडीकेट का एसटीएफ ने पर्दाफाश किया है। सहसपुर स्थित डा. मित्तल लैबोरेट्रीज में नकली दवाएं तैयार कर कई राज्यों में सप्लाई की जा रही थीं। मामले में फैक्टरी मालिक देवी दयाल गुप्ता को... पढ़ें पेज 3 पर...

नकली दवाओं के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन शुरू, भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी निगरानी

- फार्मा कंपनियों और दवा विक्रेताओं पर कसी जा रही है निगरानी की लगाम, नकली दवा कारोबार पर लगेगा अब कानून का चाबुक...
- औषधि निरीक्षण की दो श्रेणियां बनाकर शुरू हुआ सघन अभियान, जनता को मिलेगी सुरक्षित और गुणवत्ता युक्त दवाएं...

जन एक्सप्रेस | नैनीताल

प्रदेश में नकली और घटिया गुणवत्ता की दवाओं के खिलाफ (शनिवार) से ऑपरेशन क्लीन अभियान की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राज्य भर में फार्मा कंपनियों, थोक व फुटकर दवा विक्रेताओं की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया है। अभियान के तहत औषधियों के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेजे जाएंगे। नकली, अधो मानक, मिस ब्रांडेड व मादक दवाओं के निर्माण, भंडारण और बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भारत-नेपाल सीमा समेत अन्य सीमावर्ती इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन का मकसद राज्य को नशामुक्त बनाना और जनता को गुणवत्ता युक्त दवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधि

नियम 1940 और नियम 1945 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

क्यूआरटी होगी अग्रिम पंक्ति में

अभियान के लिए सहायक औषधि नियंत्रक हेमंत सिंह नेगी के नेतृत्व में आठ सदस्यीय क्विक रिस्पांस टीम गठित की गई है, जिसमें वरिष्ठ औषधि निरीक्षक और अधिकारी शामिल हैं।

जिले दो श्रेणियों में बांटे गए

औषधि निरीक्षण के लिए प्रदेश के जिलों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। श्रेणी-1 में देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और पौड़ी हैं, जबकि श्रेणी-2 में अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग, टिहरी, उत्तरकाशी और चंपावत शामिल हैं।

शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर

नकली दवाओं की सूचना देने के लिए विभाग ने टोल फ्री हेल्पलाइन 18001804246 जारी की है।

सभी जिलो के लिए जा रहे सैंपल

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सभी जिलों में निरीक्षण कर औषधियों के सैंपल एकत्र करने और उन्हें जांच के लिए भेजने की योजना बनाई है। नकली, अधोमानक, मिस ब्रांडेड और मादक दवाओं के निर्माण, भंडारण और बिक्री में संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भूकंप से कांपी उत्तराखंड की धरती चमोली में देर रात महसूस हुए झटके

- जोशीमठ के पास 10 किलोमीटर गहराई में था भूकंप का केंद्र, 3.3 तीव्रता रही रिकॉर्ड..

जन एक्सप्रेस | चमोली

चमोली ज़िले में शुक्रवार तड़के धरती अचानक हिल उठी जब 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। यह भूकंप रात 12:02 बजे के करीब आया, जब अधिकतर लोग गहरी नींद में थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार इसका केंद्र चमोली से लगभग 22 किलोमीटर दूर, जोशीमठ के आस-पास, 10 किलोमीटर की गहराई में था।

रात की खामोशी तोड़ते हुए आया झटका

स्थानीय निवासियों के मुताबिक, रात के समय आई इस हलचल से कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन

गया। हालांकि अभी तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। फिर भी, क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

भूकंपीय गतिविधियों का सिलसिला जारी

यह झटका उस श्रृंखला का हिस्सा है जो हाल के दिनों में उत्तराखंड में देखी जा रही है। 8 जुलाई को उत्तरकाशी जिले में भी 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र केवल 5 किलोमीटर की गहराई में था। लगातार हो रही इस भूकंपीय सक्रियता को लेकर वैज्ञानिक भी चिंता जता चुके हैं।

विशेषज्ञों की चेतावनी- सतर्कता जरूरी

भूगर्भ विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी और भूकंप-प्रवण इलाकों में भूकंपीय हलचलों पर लगातार निगरानी बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। जोशीमठ पहले से ही ज़मीन धंसने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, ऐसे में इस तरह के झटके चिंता को और बढ़ा सकते हैं। उत्तराखंड एक उच्च भूकंपीय क्षेत्र है, और खासकर जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में जहां पहले से ज़मीन धंसने की समस्या है, वहां ऐसे झटके बड़े खतरे की चेतावनी हो सकते हैं।

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने चुनाव चिह्न आवंटन से पहले बैलेट पेपर छपाने पर सवाल उठाए

- हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा- चुनाव चिह्न आवंटन के बिना कैसे छप रहे बैलेट पेपर..

जन एक्सप्रेस | रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के संदर्भ में राज्य निर्वाचन आयोग की चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर टिप्पणी की है। शुक्रवार को नामांकन खारिज करने से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि चुनावी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, ऐसे में बैलेट पेपर पहले ही छपने कैसे शुरू हो गए।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी नरेंदर और न्यायाधीश आलोक मेहरा की खंडपीठ ने आयोग से पूछा कि क्या चुनाव चिह्न आवंटित हो चुके हैं, जबकि आयोग ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच हो चुकी है और सही न पाए जाने वाले फॉर्म निरस्त किए जा चुके हैं। आयोग ने यह भी कहा कि बैलेट पेपर प्रिंटिंग प्रेस को भेज दिए गए हैं।

इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि पंचायती राज एक्ट के अनुसार चुनाव चिह्न आवंटन नामांकन पत्र सही पाए जाने के बाद ही किया जाना चाहिए। लेकिन आयोग ने प्रत्याशियों को उनके नाम के पहले अंग्रेजी अक्षर के आधार पर चुनाव चिह्न बांटने की बात कही, जो कोर्ट के अनुसार कानून के विपरीत है। खंडपीठ ने चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले बैलेट पेपर छपवाने की जल्दबाजी पर भी असंतोष जताया। हाईकोर्ट में पंचायत चुनाव से जुड़ी दर्जनों याचिकाएं विचाराधीन हैं, और चुनाव चिह्न आवंटन शुक्रवार शाम तक होना है। ऐसे में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया पूरी होने से पहले चुनावी सामग्री का निर्माण उचित नहीं है।

महेंद्र राणा ने चुनाव प्रचार किया तेज , प्रचार के दौरान मिल रहा अपार जनसर्थन

पौड़ी। भाजपा के जिला पंचायत सीट कुल्हाड से समर्थित प्रत्याशी महेंद्र सिंह राणा ने अपने चुनाव प्रचार प्रसार तेज कर दिया है। उनको क्षेत्र में ग्रामीण मतदाताओं का काफी समर्थन मिल रहा है।

निवर्तमान ब्लाक प्रमुख संगठन के अध्यक्ष एवं ब्लाक प्रमुख द्वारीखाल महेंद्र राणा को इस बार बीजेपी ने कुल्हाड़ सीट से जिला पंचायत सदस्य पद पर समर्थित प्रत्याशी बनाया है। राणा इन दिनों अपने चुनाव प्रचार में जुटे हुए है। महेंद्र राणा ने बरसूडी, भलगांव, महरगांव, भिलडगांव, थानखाल, ग्वीनबडा में क्षेत्र भ्रमण किया। प्रत्याशी महेंद्र सिंह राणा ने जनता से रूबरू होकर विकास कार्यो की चर्चा की। उन्होने कहा कि हमने विकास किया है और आगे भी विकास को आगे बढाएंगे। कहा कि आगे भी विकासखण्ड द्वारीखाल विकास की दौड में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहेगा। उन्होंने जनता से उनको समर्थन देने की अपील की। इस मौके पर निर्वमान जिला पंचायत सदस्य कूलभूषण, राजमोहन नेगी, जितेन्द्र सिंह, निवर्तमान प्रधान सतीशचन्द्र, भीमदत्त कुकरेती, कन्हैया सिंह, सुरेश जुयाल, धर्मप्रकाश, प्रदीप डोबरियाल आदि शामिल रहे।

नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जिला कारागार पौड़ी में विधिक जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जन एक्सप्रेस | पौड़ी

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनी ताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के दिशा-निर्देशों में जिला कारागार पौड़ी में नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर विधिक जागरुकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधि करण, पौड़ी गढ़वाल नाज़िश कलीम ने बंदियों को नेल्सन मंडेला के संघर्ष मय जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। साथ ही उन्हें संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों तथा न्यायिक सहा यता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

बंदियों को उनके विधिक अधि कारों की जानकारी देने के साथ-साथ यह भी बताया गया कि किस प्रकार वे निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बंदियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें कारागार में निरुद्ध बंदियों की स्वास्थ्य जांच की गयी। शिविर के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित क्रिमिनल अपील संख्या 317/2024 (प्रवीन बाल्मीकि बनाम उत्तराखंड राज्य) के अंतर्गत दिए गए निर्देशों के अनुपालन में बीमार बंदियों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता व प्रभावशीलता के संबंध में भी जानकारी एकत्र की गयी।

कार्य क्रम में सभी ने नेल्सन मंडेला के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में न्याय, मानवता और समानता की स्थापना के लिए कार्य करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में प्रभारी अधीक्षक जिला कारागार डी.पी. सिन्हा, पैनल अधि वक्ता अतुल पोखरियाल, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, रिटेनर अधिवक्ता कुसुम नेगी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता नवानी सहित जिला कारागार का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी पूरी

499 मतदान अधिकारियों को अंतिम चरण का प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस | रुद्रप्रयाग

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। शुक्रवार को अगस्त्यमुनि स्थित परिसर में सामान्य एवं मतपेटी हैंड साउंड प्रशिक्षण का अंतिम दिन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत, मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट तथा द्वितीय मास्टर ट्रेनर मनोज बिष्ट उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण सत्र में कुल 506 में से 499 द्वितीय मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही, 55 सेक्टर और 13 जोनल अधि कारी भी प्रशिक्षण में सम्मिलित रहे। अगस्त्यमुनि ब्लॉक में कुल 13 सेक्टर, 3 रिजर्व सेक्टर, 3 जोनल और 2 रिजर्व जोनल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जखोली ब्लॉक में 17 सेक्टर, 4 रिजर्व सेक्टर, 2 जोनल और 2 रिजर्व जोनल अधि कारी हैं। ऊखीमठ ब्लॉक में 9 सेक्टर और 2 रिजर्व सेक्टर के लिए 2 जोनल एवं 2 रिजर्व जोनल अधि कारी नियुक्त किए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने सभी अधि कारियों को कर्तव्य परायणता और गंभीरता से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा, चुनाव को एक उत्सव के रूप में लें और मधुर व्यवहार व ईमानदारी से कार्य करें। मास्टर ट्रेनर लोकेन्द्र बिष्ट ने जोनल एवं सेक्टर अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने का आह्वान किया।

चार लोगों का शांतिभंग में चालान

जन एक्सप्रेस/ रुड़की। शनिवार को जमीन जायदाद को लेकर आपस में झगड़ रहे चार चचेरे भाईयों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। चारों को थाने लाकर उनका शांतिभंग में चालान कर दिया। नई मंडी व बंजारान मोहल्ला निवासी तस्लीम, मुरसलीन, उमर तथा जानआलम आपस में चचेरे भाई है। जिनका पुस्तैनी जमीन को लेकर आपस में कुछ विवाद चल रहा है। शुक्रवार शाम को भी इनके सभी के बीच में कहा सुनी हुई थी। शनिवार सुबह के समय परिवार के दोनों पक्ष लाठी डंडे लेकर आमने सामने आ गए और दोनों में मारपीट शुरु हो गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आपस में झगड़ा कर रहे लोगों को हिरासत में ले लिया। बाद में दोनों पक्षों के चार लोगों को थाने लाकर उनका शांतिभंग में चालान कर दिया। थाना प्रभारी अजय सिंह ने मामले की पुष्टि की है।

उप्र के 250 युवाओं का विशेष युवा जागरण शिविर का शुभारंभ

जन एक्सप्रेस | हरिद्वार

गायत्री तीर्थ शांति कुंज में उत्तर प्रदेश के चार जनपदों मऊ, बलिया, वाराणसी और गाजीपुर से आए 250 से अधिक युवाओं के लिए तीन दिवसीय विशेष युवा जागरण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन शांतिकुंज एवं जिला प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

शिविर के प्रथम सत्र में शांतिकुंज प्रतिनिधि परमानंद द्विवेदी ने युवाओं को उपासना, साधना एवं आराधना के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति उपासना और साधना को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लेता है, वही जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है। द्विवेदी ने युवाओं को चिंतन, चरित्र, व्यवहार और गुण-कर्म-स्वभाव के परिष्कार की दिशा में प्रेरित किया।

युवा प्रकोष्ठ के समन्वयक केदार प्रसाद दुबे ने युवाओं को समाज और राष्ट्र के निर्माण में अग्रदूत की भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब समाज में क्रांति आई है, उसमें युवाओं की अग्रणी भूमिका रही है। आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो सकारात्मक बदलाव के वाहक बन सकें।

शिविर समन्वयक ने बताया कि यह शिविर युवा प्रतिभाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित जीवन जीने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है।आगामी दो दिनों में उप्र जोन समन्वयक नरेन्द्र ठाकुर सहित कई विशेषज्ञ शिविर में विभिन्न विषयों पर संबोधित करेंगे।

विश्व युवा कौशल सप्ताह की उत्तरकाशी में शुरुआत

जन एक्सप्रेस | उत्तरकाशी

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित जन शिक्षण संस्थान उत्तरकाशी के द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया जो की 15 जुलाई से 21 जुलाई 2025 तक संस्थान के विभिन्न सेंटरों में मनाया जा रहा है इस साप्ताहिक कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रम जैसे रैली पेंटिंग डिबेट कार्यक्रम युवाओं के साथ सेल्फी बूथ युवाओं के कौशल एवं रोजगार को लेकर आदि कार्यक्रम किए जाएंगे। आज जोशियाडा मे संस्थान के निदेशक संदीप गोयल के द्वारा आज के इस कार्यक्रम मे युवाओं को आत्मनिर्भर बनने लिए बताया गया कि किस तरह से युवा अपने तथा अन्य लोगों को रोजगार प्रदान कर सकता हैं साथ ही उन्होंने कहा है कि अपने कौशल को विकसित करने के लिए निरंतर अभ्यास करना चाहिए उन्होंने कहा कि कौशल विकास बदलते कार्य वातावरण के अनुकूल रोजगार क्षमता को बढ़ाने और उनके आजीविका लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है यह उत्पादकता एवं सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने में कौशल विकास की भूमिका पर विशेष बल देता है साथ ही प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व युवा कौशल दिवस दुनिया भर में युवाओं के विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने मैं महत्वपूर्ण महत्व रखता है। इस अवसर पर जगरोशन सिंह पवार प्रमोद नोटियाल शिवानी नोटियाल सोनम पवार आरती नौटियाल राखी पवार एवं प्रशिक्षणरत छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री शाही का देसंविवि दौरा, शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रयासों की की सराहना

जन एक्सप्रेस | हरिद्वार

उत्तर प्रदेश सरकार में कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही सपरिवार देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांतिकुंज पहुंचे। विवि पहुंचने पर विश्व विद्यालय के प्रति कुलपति युवा आइकॉन डॉ चिन्मय पण्ड्या ने पुष्प गुच्छ व मंगल तिलक कर स्वागत किया।

अपने प्रवास के दौरान कृषिमंत्री शाही ने विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति युवा आइकॉन डॉ. चिन्मय पंड्या से विचार विमर्श किया। इस दौरान शिक्षा, कृषि विकास, ग्रामोत्थान एवं मूल्याधारित नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रति कुलपति ने देसंविवि द्वारा संचालित हो रहे विभिन्न गतिविधियों एवं प्रयासों की जानकारी। युवा आइकॉन ने कृषि मंत्री को विवि के प्रतीक चिह्न आदि भेंटकर सम्मानित किया।

कृषि मंत्री ने विश्व विद्यालय की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों की सराहना की और इसे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एक महत्त्वपूर्ण प्रेरणादायी संस्थान बताया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता, नैतिकता और जीवन मूल्यों का समावेश आज की नीतियों में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के विचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूज्य आचार्यश्री का दृष्टिकोण आज के भारत के पुनर्निर्माण में अत्यंत प्रासंगिक है। देसंविवि और शांतिकुंज यात्रा के दौरान उन्होंने संस्थान की विविध गति विधियों का अवलोकन किया तथा इसे भारत की चेतना का जाग्रत केंद्र कहा। शाही ने देसंविवि और शांतिकुंज द्वारा संचालित सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक सरोकारों को राष्ट्र के नव निर्माण के लिए आवश्यक बताया। इससे पूर्व श्री शाही ने सपरिवार विवि में प्रतिष्ठापित प्रज्ञेश्वर महादेव में राज्य की उन्नति एवं समृद्धि हेतु प्रार्थना की।

उत्तरकाशी में सावन मास के दौरान महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों का तांता, गायत्री परिवार का धार्मिक आयोजन

जन एक्सप्रेस | उत्तरकाशी

उत्तरकाशी मे विश्वनाथ मंदिर के बाद सबसे ज्यादा भक्त महाकालेश्वर मंदिर में आते हैं सावन मास मे यहां लोगों का तांता लगा हुआ रहता है इन दिनों लोग यहां पूजा पाठ हवन जप तप करने दूरस्थ गांव के लोग भी यहां आते हैं। सावन मास पवित्र लीला बाल वाटिका जोशियाडा समाजिक संस्थान ने आज शनिवार को गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के संस्थापक आचार्य श्रीराम शर्मा सद साहित्य का स्टाल लगाया।

पवित्रा लीला बाल वाटिका प्रबंधक ने बताया कि अखंड ज्योति शताब्दी वर्ष के अवसर पर शान्ति कुंज हरिद्वार के विचारों को जन जन तक पहुचाने के लिए विभिन्न कथा पंडाल में साहित्य लोगों को पढ़ने के लिए दिया जा रहा है लोगों को आचार्य श्रीराम शर्मा के विचारों से जीवन में एक बदलाव आये व जीवन जीना व्यसन मुक्ति समाज राष्ट्र निर्माण की भावना जागृत हो वही विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, की और से सिद्ध पीठ कालेशवर महादेव मंदिर में 13 जुलाई से श्रि महापुराण हो रहा है। मुख्य कथा वाचक गणैश यहराज ने गायत्री मंत्र जप व गायत्री परिवार के उद्देश्य बताया व इस संसार में एक व्यक्ति हैं जो 3200 से भी अधिक साहित्य लिख कर गये एक बार सभी इन को पढ़ें जीवन सुधर जायेगा। इस आयोजन में उमेद सिंह चौहान मुख्य यजमान ने कहा कथा के माध्यम से युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ा जा रहा है व भारतीय संस्कृति के बारे में बताया जा रहा है। ज़िला सह मंत्री कीर्ति सिंह महर ने मन्दिरों में आम जन मानस को सफाई व्यवस्था व एक एक पेड भी लगाना चाहिए व नित्य जल चढ़ाना चाहिए। मुख्य आचार्य प. आयूष रतूड़ी सभी यजमान की जन्म कुंडली देख कर निशुल्क पूजन करा रहे हैं पूजन में किसी भी यजमान से कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इस अवसर पर देवानंद मिश्रा महिपाल पंवार जिला सह मंत्री कीर्ति सिंह महर बिनोद सेमवाल विनोद चौहान आदित्य सुमेश उनियाल कन्हैया सैमवाल अरुण नोटियाल आदि लोगो ने भाग ले रहे हैं।

कुंभीचौड़ में गुलदार का आतंक

वन विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग

जन एक्सप्रेस | कोटद्वार

कुंभीचौड़ क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 में पिछले कई दिनों से गुलदार ने आतंक मचा रखा है। गुलदार लगातार स्थानीय लोगों के पालतू जानवरों को अपना निवाला बना रहे हैं, जिससे क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। शाम होते ही लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से समस्या के समाधान की मांग की है और चेतावनी दी है कि उनकी अनदेखी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाल ही में कुंभीचौड़ निवासी राकेश रावत की गोशाला के बाहर बंधी दो साल की बछिया को गुलदार ने मार डाला। राकेश की पत्नी जब सुबह गाय का दूध निकालने गई तो उन्होंने बछिया को मृत अवस्था में पाया। स्थानीय लोग वन विभाग से जल्द से जल्द प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा कर रहे हैं ताकि उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रवेश प्रक्रिया के साथ ही सियासी जमीन तैयार करने में जुटे छात्र नेता

जन एक्सप्रेस | हल्द्वानी

एमबीपीजी कॉलेज में इन दिनों प्रवेश प्रक्रिया के साथ-साथ छात्रसंघ चुनाव की तैयारियों की भी जोरदार शुरुआत हो चुकी है। नए छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया में मदद के नाम पर छात्र नेता सक्रिय हो गए हैं। कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया 25 जुलाई तक चलेगी।

छात्र नेताओं ने नए छात्रों की सुविधा के लिए कॉलेज परिसर के मुख्य गेट के पास हेल्प डेस्क शुरू किया है। इस हेल्प डेस्क पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव पद के संभावित प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मौजूद हैं। कुछ छात्र संगठन भी इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे नए छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, कक्षाओं की जानकारी के साथ-साथ कमी वाले दस्तावेजों की पूर्ति में भी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

छात्र नेताओं का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान और बाद में भी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे मदद के लिए उपलब्ध हैं। कॉलेज में इस पहल को लेकर चर्चा चल रही है और नए छात्रों के बीच यह मदद भविष्य में वोट बैंक बनाने के रूप में देखी जा रही है।

छात्र नेता मनोज ने बताया कि उनकी टीम सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक हेल्प डेस्क पर कार्यरत है। उनका मानना है कि इस पहल से छात्र-छात्राओं को काफी मदद मिल रही है और आने वाले चुनावों में उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने इस पहल को सकारात्मक बताया और कहा कि इससे छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया में मदद मिल रही है।

देहरादून एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्स प्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | देहरादून, रविवार, 20 जुलाई, 2025

जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान...

शासनादेश के मद्देनज़र माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया गया। जिसके क्रम में गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण... पढ़ें पेज 8 पर...

देहरादून में नकली दवाओं की फैक्ट्री का भंडाफोड़, एसटीएफ ने सिंडिकेट दबोचा

- दिल्ली का फैक्टरी मालिक सहित चार गिरफ्तार, लाखों नकली गोलियां और क्यूआर कोड बरामद ब्रांडेड कंपनियों की नकली दवाइयों का चल रहा था धंधा
- प्रदेश के पांच और आईटीआई में ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग की शुरुआत, महिलाओं के लिए विशेष कौशल केंद्र और बाल श्रम मुक्ति अभियान के निर्देश

जन एक्सप्रेस | देहरादून

ब्रांडेड कंपनियों की नकली दवाओं के निर्माण और सप्लाई से जुड़े एक बड़े सिंडीकेट का एसटीएफ ने पर्दाफाश किया है। सहसपुर स्थित डा. मित्तल लैबोरेट्रीज में नकली दवाएं तैयार कर कई राज्यों में सप्लाई की जा रही थीं। मामले में फैक्टरी मालिक देवी दयाल गुप्ता को देहरादून से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

एसटीएफ ने एक जून को की थी कार्रवाई

सेलाकुई क्षेत्र में एक जून को की गई छापेमारी में प्रतिष्ठित दवा कंपनियों ग्लेनमार्क, एल्केम, डॉ. रेड्डी आदि के नकली 658 रैपर और शराब कंपनियों के 386 फर्जी स्टिकर व क्यूआर कोड बरामद किए गए थे।

फैक्टरी मालिक लंबे समय से था फरार

दिल्ली निवासी आरोपी देवी दयाल गुप्ता की तलाश में एसटीएफ कई दिनों से जुटी थी। आखिरकार उसे देहरादून से दबोच लिया गया।

चार आरोपी अब तक गिरफ्तार

इस पूरे नेटवर्क में अब तक चार लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पहले गिरफ्तार हुए आरोपियों में संतोष कुमार, नवीन बंसल और आदित्य काला शामिल हैं।

छपरा निवासी संतोष से हुआ खुलासा

पहली गिरफ्तारी संतोष कुमार की हुई थी, जो छपरा (बिहार) का निवासी है। उससे पूछताछ में पता चला कि नकली रैपर और स्टिकर आदित्य काला के प्रिंटिंग प्रेस में तैयार होते थे। नवीन बंसल के जरिए होती थी सप्लाई

हरियाणा निवासी नवीन बंसल, नकली टैबलेट बनवाकर उन्हें हरियाणा, भिवाड़ी और राजस्थान जैसे राज्यों में सप्लाई करता था।

2021 से चला आ रहा कारोबार

एसटीएफ के अनुसार, आरोपी फैक्टरी मालिक देवी दयाल गुप्ता ने वर्ष 2021 से 2025 तक करीब 1.42 करोड़ टैबलेट और दो लाख कैप्सूल अवैध रूप से तैयार कर नवीन बंसल को सप्लाई किए।

1.42 करोड़ से ज्यादा नकली टैबलेट जब्त

एसटीएफ ने नवीन बंसल की फर्जी कंपनियों रीलिन फार्मा टेक और बीकेम बायोटेक से भारी मात्रा में नकली दवाइयां बरामद कीं, जिनमें शामिल हैं-

पैन्ट्राप्रेजोल- 50.86 लाख टैबलेट
डिक्लोसिन एसपी- 15 लाख टैबलेट
लिवोसिट्रिजिन- 7.70 लाख टैबलेट
प्रोक्लोरपरप्रिजाइन- 33.93 लाख टैबलेट
एल्मोडिपाइन- 25.54 लाख टैबलेट
एसेक्लो पैरा- 6.05 लाख टैबलेट
टेल्मीसर्टन- 4.50 लाख टैबलेट

देहरादून में मतांतरण गिरोह का भंडाफोड़

युवतियों को लालच देकर कर रहे थे ब्रेनवॉश, पांच गिरफ्तार

- देहरादून के सहसपुर निवासी समेत उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं आरोपित, कलमा पढ़ने और बुर्का पहनने का बनाया जा रहा था दबाव...

जन एक्सप्रेस | देहरादून

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश और उत्तरा खंड में मतांतरण के संगठित प्रयासों का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। देहरादून पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो युवतियों को रुपयों का लालच देकर मतांतरण के लिए प्रेरित कर रहा था। इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक देहरादून के सहसपुर क्षेत्र का निवासी अब्दुल रहमान बताया गया है।

पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ केस, युवती को बनाया जा रहा था निशाना

पुलिस को दी गई शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि कुछ लोग उनकी बेटी को पैसे और वैभव का झांसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए मानसिक रूप से तैयार कर रहे थे। युवती पर कलमा पढ़ने और बुर्का पहनने का भी दबाव डाला जा रहा था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रानीपोखरी और सहसपुर में फैल रहा था गिरोह का नेटवर्क

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्य केवल देहरादून तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि रानीपोखरी जैसे क्षेत्रों में भी मतांतरण का जाल फैलाने का प्रयास कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपितों से पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारियाँ सामने आ सकती हैं।

उत्तर प्रदेश से जुड़े तार, छांगुर गिरोह से संबंध की जांच जारी

हाल ही में उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में छांगुर उर्फ जमालुद्दीन नाम के व्यक्ति द्वारा मतांतरण के प्रयासों का मामला सामने आया था। अब देहरादून में गिरफ्तार गिरोह के तार भी यूपी से जुड़े पाए गए हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इनका छांगुर से सीधा संबंध है या नहीं, लेकिन पुलिस दोनों मामलों की कड़ियाँ जोड़ने की कोशिश में जुटी है।

पुलिस का सख्त रुख, आगे और गिरफ्तारियों की संभावना

पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि ऐसे मामलों में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। शुरुआती जांच के बाद मामले में और भी गिरफ्तारियाँ हो सकती हैं। आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

कैलास पर्वत का दक्षिणी हिस्सा बर्फ विहीन, जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

जन एक्सप्रेस | देहरादून

धारचूला। हिंदू धर्म के पवित्र स्थल माने जाने वाले कैलास पर्वत से जुड़ी एक चिंताजनक जानकारी सामने आई है। कैलास मानसरोवर यात्रा से लौटे पहले भारतीय दल ने बताया है कि इस बार पर्वत के दक्षिणी हिस्से में बर्फ पूरी तरह गायब थी। विशेषज्ञों ने इसे जलवायु परिवर्तन का गंभीर संकेत माना है।

पांच साल बाद यात्रा शुरू, बदला नजर आया कैलास

पांच वर्षों के अंतराल के बाद पिथौरागढ़ से शुरू हुई कैलास मानसरोवर यात्रा का पहला दल

शुक्रवार को भारत लौट आया। 45 सदस्यों के इस दल ने बताया कि यात्रा के दौरान कैलास पर्वत का दक्षिणी चेहरा पहली बार बर्फ रहित नजर आया। यात्रा दल के प्रभारी व आईटीबीपी के एडीजी संजय गुंज्याल ने बताया कि उन्होंने 2016 में भी यात्रा की थी, तब दक्षिण दिशा में बर्फ की मोटी परत मौजूद थी। लेकिन इस बार बदलाव साफ तौर पर देखा गया।

ओम पर्वत भी 2024 में हुआ था बर्फ विहीन

यह पहली बार नहीं है जब क्षेत्र के पर्वतों से बर्फ गायब हुई हो। अगस्त 2024 में ओम पर्वत भी बर्फ पिघलने के चलते काले रंग का नजर आया था। हालांकि कुछ दिनों बाद वहां बर्फबारी हुई, लेकिन यह घटना भी जलवायु परिवर्तन के संकेत देती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले 2014 और 2018 में भी ओम पर्वत पर बर्फ की परत सामान्य से कम देखी गई थी।

वैज्ञानिकों की चेतावनी-18,000 फीट से ऊपर बर्फ का गायब होना चिंता जनक

विशेषज्ञों के अनुसार, कैलास पर्वत की ऊंचाई 21,778 फीट है, और आमतौर पर 18,000 फीट से ऊपर बर्फ स्थायी रूप से जमी रहती है। दक्षिणी हिस्से से बर्फ का पूरी तरह गायब होना, एक गंभीर पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत हो सकता है। वैज्ञानिको और पर्यावरण विदों ने सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से हिमालयी क्षेत्रों की स्थिति पर गहन अध्ययन और निगरानी की मांग की है।

दो साल से बंद पड़ी है सिविल अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन

सिविल अस्पताल रुड़की में पिछले करीब दो साल से रेडियोलोजिस्ट नहीं है। इसके चलते अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन होने के बाद भी वह बंद पड़ी है। अल्ट्रासाउंड न होने से मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 150 गर्भवती उपचार को आती हैं। इनमें कई लोगों को अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी जाती है। अस्पताल में गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड निशुल्क होता है, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट न होने की वजह से अस्पताल में यह सुविधा नहीं मिल पा रही है।रामपुर निवासी जमशेद ने बताया कि वह मजदूरी करता है। उसकी पत्नी गर्भवती है। चिकित्सक ने अल्ट्रासाउंड कराने के लिए बोला है। उसके पास इतने रुपये नहीं है कि वह अल्ट्रासाउंड करा पाए।

नीलकंठ जा रहे 28 कांवड़ियों से भरा ट्रक पलटा, तीन गंभीर घायल

जन एक्सप्रेस | देहरादून

सावन के पावन महीने में नीलकंठ महादेव मंदिर जलाभिषेक के लिए जा रहे हरियाणा के कैथल जिले से आए 28 कांवड़ियों से भरा ट्रक शुक्रवार को देहरादून-ऋषिकेश मोटर मार्ग पर दुर्घटना ग्रस्त हो गया। यह हादसा सात मोड़ के समीप दुर्गा माता मंदिर के पास हुआ, जब ट्रक अनि यंत्रित होकर पलट गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने 108 एंबुलेंस सेवा और सरकारी अस्पताल की मदद से सभी घायलों को एसपीएस राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, हादसे में तीन कांवड़ियों की हालत गंभीर है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया है। शेष घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज सरकारी अस्पताल में जारी है।

फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक मोड़ पर तेज रफ्तार में था, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, दुगड्डा

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांक- 2570/18ए.सी. दिनांक- 18/07/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहसताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि० 05/08/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 25/07/2025 से 04/08/2025 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 05/08/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं-

1. अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त, वृत्त, लो०नि०वि०, पौड़ी। 2. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, दुगड्डा।
3. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, लैन्सडौन। 4. अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो०नि०वि०, ऋषिकेश।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रु० में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु० में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	जिला योजना के अंतर्गत हेरिटैज स्कूल स्थाने के पीछे से गाड़ीघाट तिराहे तक मार्ग निर्माण।	45,000.00	1500.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
2.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड नं० 31 में रीना बलूनी के घर से भण्डारी जी के घर तक सी०सी० द्वारा मार्ग निर्माण।	36,000.00	1500.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
3.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड नं० 31 में सुमन देवी के घर से सचिन रावत के घर तक सी०सी० द्वारा मार्ग निर्माण।	42,000.00	1500.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
4.	जिला योजना के अन्तर्गत बहेड़ा स्रोत पर पुलिया निर्माण कार्य।	60,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
5.	जिला योजना के अन्तर्गत के प्राईड मॉल से पंचायत घर तक मार्ग का निर्माण।	60,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
6.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड सं० 13 झण्डाचौक से गैराज रोड इण्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा सड़क निर्माण कार्य।	24,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
7.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड सं० 4 में निरंकरी सत्संग भवन से गिंवई स्रोत पुलिया तक इण्टर लॉकिंग टाईल्स के माध्यम से सड़क निर्माण कार्य।	24,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
8.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड सं० 10 में कुष्ठ आश्रम से सिद्धबली पब्लिक स्कूल से जिम तक सी०सी० मार्ग एवं नाली निर्माण कार्य।	18,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
9.	जिला योजना के अन्तर्गत वार्ड नं० 17 हनुमान मन्दिर चौराह से बैलाडाट चौराह तक सड़क निर्माण का कार्य।	30,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर
10.	जिला योजना के अन्तर्गत मवाकोट वार्ड नं० 31 के मुख्य मार्ग से रेखा रावत के घर तक सी०सी० मार्ग का निर्माण।	24,000.00	1000.00+ GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी एवं उच्चतर

निविदा दिनांक 06/08/2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, दुगड्डा मे कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
दुगड्डा (गढ़वाल)

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा, पीड़िता को 2 लाख रुपये मिलेगा मुआवजा

जन एक्सप्रेस | देहरादून

उत्तराखंड के देहरादून में एक व्यक्ति को नाबालिग से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। आरोपी जसपाल ने फेसबुक के जरिए पीड़िता से दोस्ती की और 23 अगस्त 2018 को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने 1 सितंबर 2018 को पटेलनगर कोतवाली में मामला दर्ज कराया था। पोक्सो कोर्ट ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है कि पीड़िता को राज्य सरकार से 2 लाख रुपये का मुआवजा दिलाया जाए। कोर्ट ने पीड़िता की गवाही को सजा दिलाने में अहम बताया।

क्या है मामला

देहरादून में एक शख्स को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। युवक पर नाबालिग से रेप का आरोप लगा था। शख्स ने फेसबुक पर लड़की से दोस्ती की थी। लड़की के पिता ने पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया।

2018 में दर्ज कराया था मामला

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अल्पना थापा ने बताया कि एक सितंबर 2018 को 16 वर्ष दो महीना की किशोरी के पिता ने पटेलनगर कोतवाली में केस दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी से फेसबुक पर एक महीने पहले जसपाल निवासी देवाल चिन्यली चोरिंग देवाल जिला चमोली ने दोस्ती की।

फेसबुक के जरिए बड़ी नजदीकियां

जसपाल देहरादून में अंबीवाला राजीवनगर में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। दोनों ने फेसबुक के जरिए एक-दूसरे का नंबर साझा किया और बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि जसपाल पीड़िता को झांसा देकर 23 अगस्त 2018 को बंजारावाला कारगी चौक स्थित एक कमरे पर लेकर गया। वहां जबरन पीड़िता से दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। झांसा देकर घर भेज दिया कि वह उससे शादी करेगा। आरोपी इसके बाद बार-बार पीड़िता पर मिलने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने इस बारे में परिजनों को बताया। तब केस दर्ज कराया गया।

हरक सिंह रावत पर ईडी का शिकंजा, जमीन घोटाले में चार्जशीट, बोले- राजनीतिक साजिश, आरोप साबित हुए तो राजनीति छोड़ दूंगा

जन एक्सप्रेस | देहरादून

उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देहरादून के सहसपुर स्थित शंकरपुर में करोड़ों रुपये के जमीन घोटाले के मामले में हरक सिंह रावत, उनकी पत्नी दीप्ति रावत, रुद्रप्रयाग की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी राणा समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

इस पूरे मामले में हरक सिंह रावत की पहली प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा-अगर मुझ पर लगे आरोप साबित हो जाते हैं, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मेरे पास सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं। ईडी अधिकारियों के खिलाफ भी मैं कानूनी कार्रवाई करूंगा।

क्या है पूरा मामला

यह मामला सहसपुर थाने में दर्ज भूमि फर्जीवाड़े के केस से जुड़ा है। ईडी की जांच में सामने आया कि हरक सिंह रावत और उनके करीबी सहयोगियों ने मिलकर करीब 101 बीघा जमीन, जिसकी बाजार कीमत 70 करोड़ से अधिक है, को साजिश के तहत बेहद कम दामों पर खरीदकर अपने ट्रस्ट के नाम दर्ज कराया। जांच के अनुसार, अब दिवंगत सुशीला रानी ने जान बूझकर ज़मीन की पावर ऑफ अटॉर्नी हरक सिंह के करीबी बीरेंद्र सिंह कंडारी के नाम की। कंडारी ने इसी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए वह ज़मीन दीप्ति रावत और लक्ष्मी राणा को सर्किल रेट से नीचे की कीमत पर बेच दी।

इस जमीन पर अब दून इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज नामक मेडिकल संस्थान संचालित हो रहा है, जो पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट के अधीन है और जिसे हरक सिंह रावत का परिवार और मित्र मंडली संचालित करते हैं।

ईडी की कार्रवाई-

जनवरी 2025 में ईडी ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6.56 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि (वास्तविक बाज़ार मूल्य 70 करोड़ से अधिक) को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया था। लंबी पूछताछ और दस्तावेज़ी जांच के बाद अब ईडी ने पांच आरोपितों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल कर दी है।

राजनीतिक हलकों में हलचल

रावत की प्रतिक्रिया के बाद इस मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। कांग्रेस इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता सकती है, वहीं बीजेपी इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा कदम बता सकती है। आने वाले दिनों में यह मामला प्रदेश की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान की तैयारी, एडीएम ने ली टास्क फोर्स की बैठक

देहरादून। जिले में खसरा और रूबेला के टीकाकरण का अभियान 21 जुलाई से शुरू होगा। इस संदर्भ में शनिवार को एडीएम केके मिश्रा ने टीकाकरण की टास्क फोर्स की बैठक ली। सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि जिले से 2026 तक खसरा और रूबेला बीमारी का पूर्ण उन्मूलन करना लक्ष्य है। इसके लिए भारत सरकार ने एक रोड मैप तैयार किया है, जिसके तहत पांच वर्ष तक के उन बच्चों को टीका लगाया जाएगा जिन्हें अब तक खसरा-रूबेला का टीका नहीं मिला है। साथ ही, बुखार और लाल चकत्ते वाले दाने वाले लोगों की पहचान कर उनका उपचार किया जाएगा। एसीएमओ एवं डीईओ डॉ. दिनेश चौहान ने बताया कि खसरा-रूबेला का टीकाकरण बच्चों को जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखता है। यह टीका दस्त, निमोनिया जैसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाता है और बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। जिले में इस अभियान को सफल बनाने के लिए तीन चरणों में विशेष टीकाकरण सप्ताह आयोजित किए जाएंगे। पहला चरण 21 जुलाई से 31 जुलाई, दूसरा 19 अगस्त से 29 अगस्त, और तीसरा 18 सितम्बर से 29 सितम्बर तक चलेगा।

बैठक में एडीओ यज्ञदेव थपलियाल भी मौजूद रहे। प्रशासन जनता से अपील करता है कि वे अपने बच्चों को इस टीकाकरण अभियान के तहत अवश्य टीका लगवाएं ताकि खसरा और रूबेला जैसी बीमारियों से बच्चों को बचाया जा सके।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच

आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है। हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक मल्टी-पोलर वर्ल्ड यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा। इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा। वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मज़बूत कर सकता है। इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे। तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है।

एक्सप्रेस आलेख

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

प्रो. संजय द्विवेदी

इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है।

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं। अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है। किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम

इससे मुक्ति जरूरी है। हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं। पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- ÷स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा।÷ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए। प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचाग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथि:	दशमी 12:12 तक
नक्षत्र:	कृतिका 22:53 तक
पक्ष:	कृष्ण
वार:	रविवार
योग:	गण्ड, 21:47
सूर्योदय:	05:37
सूर्यास्त:	19:17
चंद्रमा:	मेष राशि में
राहुकाल:	17:34-19:17
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वत:	1947
मास:	सावन
शुभ मुहूर्त:	12:00-12:55

जन एक्सप्रेस

जल्द कुछ ऐलान !

बना सकते पार्टी ।
जल्द कुछ ऐलान ।।
हैं तेवर भी बागी ।
बनना जो महान ।।
अटकलों का क्रमशः ।
गर्म है बाजार ।।
दम भी दिखाना और ।
करना खबरदार ।।
पक रही है खिचड़ी ।
मिल रहा सहयोग ।।
चेतना है अबकी ।
करना सही प्रयोग ।।
कायाकल्प करने को ।
जोर है लगाया ।।
धीरे धीरे अपने ।
कर दिए सफाया ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

चेहरे पर आएगी रातों-रात चमक, ब्लूबेरी में मिलाकर लगाएं ये चीजें

आज के समय में भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, अधिक स्ट्रेस में रहने और प्रदूषण जैसी कई समस्याओं के कारण लोगों की त्वचा प्रभावित होती है। कई बार लोगों की त्वचा में ऑयल का अधिक उत्पादन होने, मुंहासे होने या दाग-धब्बे जैसी त्वचा से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्किन को हेल्दी और यंग बनाए रखने के लिए ब्लूबेरी के फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह फेस पैक त्वचा में मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल को कम करने में मदद मिलती है। ब्लूबेरी में विटामिन-सी, ई, ए जैसे पोषक तत्व होते हैं, साथ ही, इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होता हैं और एंथोसायनिन जैसा तत्व होता है। वहीं, दही में विटामिन-बी और एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं। इससे स्किन को कई लाभ मिलते हैं। इसके अलावा, शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और हाइड्रेटिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन को हाइड्रेट करने, त्वचा में निखार लाने और स्किन को हेल्दी बनाए रखने में मदद मिलती है।

एक्ने से बचाव करें: ब्लूबेरी, दही और शहद के फेस पैक में विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा का बैक्टीरियल से बचाव करने, स्किन के डेड सेल्स को निकालने, त्वचा में मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल को कम करने में मदद मिलती है, जिससे त्वचा का मुंहासों और पिंपल्स को कम करने में मदद मिलती है, साथ ही, इससे त्वचा की जलन को कम करने और त्वचा को शांत करने में मदद मिलती है।

स्किन को हाइड्रेट करें: दही, शहद और ब्लूबेरी के फेस पैक में हाइड्रेटिंग गुण होते हैं। ऐसे में इसका इस्तेमाल करने से स्किन को हेल्दी बनाए रखने और त्वचा में हाइड्रेट रखने, त्वचा में नेचुरल निखार लाने और स्किन को हेल्दी बनाए रखने में मदद मिलती है।

स्किन को एक्सफोलिएट करें: ब्लूबेरी, दही और शहद के फेस पैक में मौजूद गुण स्किन को एक्सफोलिएट करने में सहायक है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को एक्सफोलिएट कर डेड सेल्स को निकालने और त्वचा का बैक्टीरिया से बचाव करने में मदद मिलती है। इससे स्किन हेल्दी रहती है।

रोज स्किन की केयर कैसे करें?: स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए नियमित रूप से फेस वॉश करें, स्किन को एक्सफोलिएट करें, फेस मास्क का इस्तेमाल करें और मॉइस्चराइज करें। इससे स्किन को हेल्दी बनाए रखने और त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद मिलती है, साथ ही, त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है।

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए क्या खाएं?: चेहरे पर नेचुरल रूप से निखार लाने के लिए डाइट में दही, हरी सब्जियां, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से युक्त ग्रीन टी पिएं और विटामिन-सी से भरपूर संतरे, नींबू, बैरीज, अंगूर और कीवी जैसे फूड्स को डाइट में शामिल किया जा सकता है। इससे त्वचा के साथ-साथ स्वास्थ्य को भी कई लाभ मिलते हैं।

स्किन को हेल्दी रखने के लिए क्या करें?: हेल्दी स्किन के लिए नियमित रूप से भरपूर पानी पिएं, जिससे स्किन को हाइड्रेट करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, हेल्दी स्किन के लिए धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे त्वचा का यूवी किरणों से बचाव करने में मदद मिलती है।

एक्सप्रेस विशेष

दादी-नानी की लोरियों से दूर होता बचपन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बारी-बारी से दादी-नानी के घर घमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात यह कि सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चे होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था।

जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश की कहानियां यह पीढ़ी नहीं जानती। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति ने बालपन से उनका बचपन छीन लिया है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के घर जाने का रिवाज बंद हो गया।

बचपन हर गम से बेगाना होता है...। यह 1975 की फिल्म गीत गाता चल का किशोर कुमार का गया गीत है। इस दौर के गीत को हम सबने कभी न कभी जरूर सुना होगा। और कभी न कभी दादी के घर से मामा के घर जाने पर वहां भी नानी से लोरियां और कहानियां सुनी होंगी। अब दादी-नानी की कहानियां बीते जमाने की बात हो गई हैं। इन कहानियों और लोरियों के सकारात्मक संदेश सुनकर पली-बढ़ी पीढ़ी आज का मौजूदा परिदृश्य देखकर हैरान है। अब के बच्चे इस सामाजिक दायरे से कट चुके हैं। वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर इन अध्ययनों ने साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करने का कोई मायने नहीं रख जाएगा। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया में मोबाइल फोन गहरे तक घर कर चुका है। टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक और दुश्चक्र रचते धारावाहिक उनके दिल और दिमाग को मथ रहे हैं। इसका नतीजा है कि बच्चों में हिंसा, बदले की भावना और ईर्ष्या की भावना पनप रही है। उन्हें बंद कमरों में अकेला रहना रास आने लगा है। मोबाइल में आत्मघाती गेम्स खेलना शगल बन चुका है। इस परिदृश्य से कभी-कभी रिश्ते भी तार-तार होने लगे हैं। अपने में सिमटती इस पीढ़ी से देश और समाज को सकारात्मकता दे पाने की उम्मीद बेमानी लगने लगी है। दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही कपोल कल्पित होती थीं पर वह कोमल मन को सकारात्मक संदेश देती थीं। बच्चों में पढ़ने-पढ़ाने की आदत डाली जाती थी। पुस्तकालय में जाकर बच्चे ज्ञान अर्जित करते थे। आज पुस्तकालय का अर्थ किराये के स्थान पर बना केबिननुमा दड़बा हो गया है। किताबें भी ऐसी होती हैं कि वह रास नहीं आतीं। एक जमाने में ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि होते थे। अब पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी-बारी से दादी-नानी के घर घमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात यह कि सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चे होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। चंदा मामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गूगल गुरु ने लगभग सभी को इससे दूर कर दिया है। डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है। बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर ने पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो बच्चे पढ़ने के लिए मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही सबका माध्यम बन गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश की कहानियां यह पीढ़ी नहीं जानती। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति ने बालपन से उनका बचपन छीन लिया है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के घर जाने का रिवाज बंद हो गया। अब लोग उन्हें पिकनिक या पर्यटन स्थल पर ले जाते हैं। इसलिए सोच में बदलाव की आवश्यकता है।

हर किरदार कुछ नया सबक देता है : कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है। फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है! उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है। मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं। कनिका को टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे। साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म 'बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म 'दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत बढ़ो बहू से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ तितली के किरदार में नजर आई थीं।

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को-एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है। तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई। अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है। गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनकी आवाज ने गाने को और मधुर बना दिया है, वहीं गाने में तारा ने गाने में और भी आकर्षण भर दिया। ढिल्लन ने कहा, वह उस माहौल को समझ गई, जिसे हम दर्शकों को दिखाना चाहते थे, जिसके बाद आसानी से वह कहानी का अहम हिस्सा बन गई। गायिका श्रेया घोषाल ने गाने में अपनी आवाज दी है।

बागी 4 को लेकर सोनम बाजवा ने दी नई अपडेट

हाल ही में अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म बागी 4 को लेकर बड़ी अपडेट दी है। इससे पहले टाइगर श्रॉफ ने इसके बारे में अपडेट दी थी। मशहूर पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा ने टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म बागी 4 की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने एक पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें क्लैपरबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखी है और फिल्म के बारे में जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है और बस यूं ही बागी 4 की शूटिंग पूरी हो गई। यह मेरी दूसरी हिंदी फिल्म है। यह एक ऐसा सफर है जो जोश और विश्वास से बुना गया है। मेरे शानदार निर्देशक ए. हर्षा, हमारे दूरदर्शी निर्माता साजिद सर, मेरे अद्भुत सह-कलाकार टाइगर श्रॉफ और इस कहानी में अपना सब कुछ देने वाली दीशी जिंदल समेत हर व्यक्ति का आभार।

मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं

मनीषा ने सुनाई कैंसर के दिनों की कहानी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कैंसर से जंग जीत चुकी मनीषा कोइराला ने हाल ही में लंदन में एक खास कार्यक्रम में अपने बारे में बहुत खास बातें बताई हैं। हियर एंड नाउ 365 की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीषा ने बताया कि जब उन्हें कैंसर हुआ था, तब वह कैसा महसूस कर रही थीं? मनीषा कोइराला को साल 2012 में अंडाशयी कैंसर का पता चला था। उन्होंने उस क्षण को याद किया, जब उन्होंने पहली बार यह खबर सुनी थी। उन्होंने कहा जब डॉक्टर ने मुझे बताया कि मुझे कैंसर है, तो मैंने सोचा, बस हो गया। मैं मर जाऊंगी। लेकिन ईश्वर की कृपा से, मैं नहीं मरी। मैंने फिर से जीना सीख लिया। कैंसर होने के बाद उन्होंने जो जिंदगी जी उसके बारे में बताते हुए मनीषा ने कहा लचीलापन कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। यह पल-पल लिए गए छोटे-छोटे फैसलों की एक श्रृंखला है। कोइराला हियर एंड नाउ 365 के संस्थापक मनीष तिवारी के साथ बातचीत कर रही थीं।

45 दिनों में कैसे कम किया 16 किलो वजन, अब जेठालाल ने खुद बताई सच्चाई

पिछले दिनों जेठालाल यानी कि दिलीप जोशी के वजन कम करने और गजब के ट्रांसफॉर्मेशन की खबरें काफी सुर्खियों में रही थीं। अब अभिनेता ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

टीवी के पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के जेठालाल यानी दिलीप जोशी पिछले दिनों तब सुर्खियों में आ गए जब उनके 45 दिनों में 16 किलो वजन कम करने की खबर सामने आई। इसके बाद हर कोई उनके इस गजब ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ करने लगा। अब इस खबर पर खुद जेठालाल की प्रतिक्रिया सामने आई है।

दिलीप जोशी बोले- 1992 में किया था कम

हाल ही में दिलीप जोशी एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान जब वो रेड कार्पेट पर पोज देने के लिए आए, तो वहां मौजूद फोटोग्राफर्स और पैपराजी ने उनसे उनके वजन कम करने को लेकर सवाल किया। फोटोग्राफर्स ने जेठालाल से इतने कम समय में इतना अधिक वजन कम करने का राज पूछा। इस पर दिलीप जोशी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'अरे 1992 में किया था भाई। अभी पता नहीं किसी ने सोशल मीडिया पर चला दिया यार।' अब दिलीप जोशी का ये जवाब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पिछले दिनों आई थी खबर

पिछले दिनों ऐसी खबरें सुर्खियां बनी थीं कि जेठालाल यानी दिलीप जोशी ने सिर्फ 45 दिनों में 16 किलो वजन कम कर लिया है। वो भी बिना जिम जाए, सिर्फ अपनी डाइट को कंट्रोल करके। ऐसे में इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई हैरान था और दिलीप जोशी से इसके पीछे का राज जानना चाहता था। 57 वर्षीय अभिनेता ने अपने इस बदलाव का क्रेडिट अपनी अनुशासित दिनचर्या को दिया।

एक साथ रिलीज हुई करण टैकर की फिल्म और वेब सीरीज

अभिनेता करण टैकर के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, क्योंकि आज के दिन उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हो रहे हैं। एक ओर जहां सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में करण टैकर एक अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ओटीटी पर करण टैकर केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी एक मुख्य भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। एक ही दिन अपने दो प्रोजेक्ट्स रिलीज होने पर अब करण टैकर ने प्रतिक्रिया दी है।

'मैं इसे कैसे स्वीकार करूं'

लोगों के करियर में बहुत कम बार ऐसा देखने को मिलता है जब एक ही दिन पर उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हों। ऐसे में इस खास मूमेंट को लेकर करण टैकर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। वीडियो में करण कहते हैं, मेरे करियर में यह पहली बार है कि मेरी दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इसे कैसे स्वीकार करूं। मैं बहुत नर्वस और बेचैन हूं क्योंकि दोनों की भूमिकाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और दोनों बिल्कुल अलग प्लेटफॉर्म पर हैं। एक फिल्म है, जबकि दूसरी ओटीटी पर। हालांकि, मैं इस बात से उत्साहित हूं कि दर्शकों ने मुझे डेढ़ साल से नहीं देखा है और अब वे मुझे और भी ज्यादा देख पाएंगे। लेकिन साथ ही प्रतिक्रियाओं ने मुझे लगातार चौकन्ना रखा है और मेरी रातों की नींद उड़ा दी है। इसलिए मैं बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं और हां, मैं इंतजार नहीं कर सकता।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना: फातिमा सना शेख

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा। उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया। मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है।

अंकिता लोखंडे का शायराना अंदाज, बोलीं- खूबसूरती को बताया सूरज की रोशनी सरीखा

छोटे पर्दे की बड़ी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें वह अनफिल्टर्ड खूबसूरती को लेकर विचार साझा कर रही हैं। शायराना अंदाज में नेचुरल ब्यूटी की खासियत बता रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी है, जिसके साथ उन्होंने बाल खोल रखे हैं। तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा,नेचुरल ब्यूटी को न ही तो आप फिल्टर कर सकते हैं, न ही प्लान, यह उस तरह है जैसे हवा बिखरे बालों में गुनगुनाती है, जैसे सूरज की रोशनी आपको महसूस होती है। अंकिता का ये शायराना अंदाज पति विक्की की तारीफ करते हुए भी दिखा था। एक पोस्ट में उन्होंने रिश्ते, सादगी और मुस्कान को लेकर खूबसूरत लाइनें लिखी थीं। इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सादगी में भी शान होती है, प्यार की भी अपनी एक पहचान होती है। उसकी मुस्कान में मेरी दुनिया और मेरी चुप्पी में उसकी जान होती है, कुछ रिश्ते बेमिसाल होते हैं, जिन्हें बस दिल से निभाना होता है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अंकिता को टीवी शो पवित्र रिश्ता से घर-घर पहचान मिली। शो में उनका नाम 'अर्चना' था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा, अंकिता मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी (2019), बागी 3 (2020), और स्वातंत्र्य वीर सावरकर जैसी फिल्मों में भी दिखाई दी हैं। अभिनेत्री फिलहाल कॉमेडी रिएलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड 2 में अपने पति विक्की जैन के साथ नजर आ रही हैं। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं। अंकिता और विक्की जैन ने दिसंबर 2021 में मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित एक भव्य समारोह में शादी की थी।

दर्शकों पर चला अहान पांडे-अनीत पड्डा का जादू

अहान पांडे के डेब्यू की खबरें लंबे वक्त से फिल्म जगत की सुर्खियों में थीं। आज आखिर 18 जुलाई को उनकी फिल्म सिनेमाघरों में लग चुकी है। यशराज फिल्म्स ने इस नए सितारे को उतारा है। उनके साथ ही फिल्म में नजर आईं अनीत पड्डा की भी यह पहली फिल्म है। जानिए मोहित सूरी के निर्देशन में बनी दो नए सितारों की फिल्म ने कैसी ओपनिंग ली है?

रिलीज से पहले से फिल्म सैयारा को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है। इसी के साथ अहान पांडे के डेब्यू को लेकर भी इंडस्ट्री में खूब चर्चाएं होती रहीं। इस साल कई नए सितारों ने इंडस्ट्री में दस्तक दी है, मगर सबका जादू फीका सा रहा है। इस बीच निगाहें अहान पांडे पर टिकी थीं, जो पिछले दो-तीन साल से इस फिल्म के लिए तैयारी कर रहे थे। अब जब उन्होंने सिनेमा के मैदान में कदम रखे हैं तो दर्शकों पर जादू चल पड़ा है। ओपनिंग डे की कमाई के आंकड़े तो कुछ यही संकेत दे रहे हैं।

फिल्म सैयारा ने पहले दिन धमाल किया है। इसने डबल डिजिट में खाता खोला है। फिल्म ने शाम के शोज तक 12 करोड़ 35 लाख रुपये कमा लिए हैं। अंतिम आंकड़े आने तक इस कलेक्शन में और इजाफा दर्ज होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म सैयारा का बजट करीब 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के रोल को सलमान ने बताया चैलेंजिंग

अपूर्व लाखिया निर्देशित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान खान एक ऑर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में गलवां घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। हाल ही में पीटीआई से की गई बातचीत में सलमान खान ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही इस रोल के लिए अपने एफर्ट पर भी बात की है। सलमान खान कहते हैं, 'फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का किरदार फिजिकली (शारीरिक तौर पर) मेरे लिए चैलेंजिंग है। हर दिन यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। मुझे ट्रेनिंग के लिए ज्यादा समय देना होगा। पहले मैं इस फिल्म के लिए एक या दो हफ्ते में ट्रेनिंग लेता था। अब मैं रनिंग कर रहा हूं, किक बॉक्सिंग कर रहा हूं। यह सब फिल्म के लिए करना जरूरी है।' सलमान खान आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म सिकंदर कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था, वह किरदार अलग था। लेकिन 'बैटल ऑफ गलवां' का रोल फिजिकली अलग है, मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो कि एक चैलेंजिंग काम है।'

पीलीभीत-शाहजहांपुर नई ट्रेन का मिघौना हॉल्ट से हुआ शुभारंभ

- केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर किया उद्घाटन, जल्द लखनऊ तक ट्रेन विस्तार का दिया भरोसा

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

पीलीभीत से शाहजहांपुर के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेन सेवा का शुभारंभ शनिवार को मिघौना हॉल्ट से केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर किया।

यह सेवा क्षेत्रीय जनता के लिए एक बड़ी सौगात मानी जा रही है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय रेलवे अधिकारियों समेत बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री जितिन प्रसाद ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि यह ट्रेन सेवा क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि आज यह सेवा आपके आशीर्वाद और समर्थन की बदौलत शुरू हो सकी है। आपने मुझे देखकर सांसद बनाया और आपके वोट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश की सेवा का मौका मिला है।

लखनऊ तक ट्रेन विस्तार का दिया आश्वासन

जनता की भारी उपस्थिति से उत्साहित होकर प्रसाद ने कहा कि जल्द ही हम इस ट्रेन सेवा को पीलीभीत से बीसलपुर होते हुए शाहजहांपुर से लखनऊ तक विस्तारित करवाएंगे। इस संबंध में उन्होंने मंच से ही इज्जतनगर मंडल की डीआरएम वीना सिन्हा और वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विकास कार्यों की भी दी जानकारी

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने रेलवे स्टेशन के दोनों ओर बन रही नई सड़कों और पुलों का जिक्र करते हुए पीडब्ल्यूडी और रेलवे विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के बाद सड़क मरम्मत कार्य प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही रेलवे स्टेशन पर विद्युत व्यवस्था, जीआरपी की सुरक्षा व्यवस्था और सफाई जैसे मुद्दों पर संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

जनसमस्याएं भी सुनीं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

कार्यक्रम के बाद जितिन प्रसाद ने मंच से नीचे उतरकर आमजन से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, ब्लॉक प्रमुख बीसलपुर अशोक शर्मा, बरखेड़ा ब्लॉक प्रमुख कमलेश गंगवार, बिलसंडा ब्लॉक प्रमुख महीप सिंह, भाजपा महामंत्री आयुष मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य शिव स्वरुप गंगवार, भाजपा नेता रेनू राज, विशेष वर्मा, हजारीलाल वर्मा, संगम बाजपेई, शरद पाल, बृजेश शुक्ला, नगर अध्यक्ष सौरभ गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

प्रशासनिक और विभागीय अधिकारी भी रहे सक्रिय

कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की ओर से तहसीलदार बीसलपुर आशीष गुप्ता, सीओ प्रगति चौहान, इंस्पेक्टर संजीव शुक्ला, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता विकास शर्मा, गन्ना समिति सचिव राजेश कुमार, सीएमओ डॉ. आलोक शर्मा, पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता संजीव जैन, जीआरपी एसओ सचिन पटेल, रेलवे के सुरक्षा कर्मी सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस शुभारंभ कार्यक्रम ने क्षेत्रवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया और रेलवे के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत किया है। जनता को उम्मीद है कि अब पीलीभीत-लखनऊ ट्रेन सेवा भी जल्द शुरू होगी।

गोकशी के मामले में फरार चल रहे दो को पकडा

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

नहर किनारे गोवंशीय पशुओं का वध करने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दो आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने उनके पास से कारतूस तमंचों के अलावा पशु काटने के उपकरण बरामद कर जेल भेज दिया। घुंघचाई थाना क्षेत्र के माधोपुर पुल के पास तस्करों ने झाड़ियां में 16 जुलाई को गोवंशीय पशुओं की हत्या कर उनके अबशेष पेंड पर टांग दिए थे। जानकारी लगने के बाद गोरक्षा प्रमुख शिवम भदोरिया ने कार्यकर्ताओ के साथ पहुंचकर कड़ी नाराजगी जताते हुए हंगामा कर पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया था। पुलिस ने गौ रक्षा प्रमुख राष्ट्रीय बजरंग दल के शिवम भदौरिया कि ओर से अज्ञात तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। 17 जुलाई को पुलिस ने आरोपी शानू उर्फ सागर निवासी पूरनपुर के लाइनपार को जेल भेज दिया था। अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर घुंघचाई पुलिस ने मदारपुर के पास फुरकान निवासी पूरनपुर के मोहल्ला लाइनपार व पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुरकला निवासी कामिल उर्फ मुरादी पुत्र गट्टा को पकड लिया। आरोपियों के पूछताछ में गौकशी की घटना करना कबूल किया है। पुलिस ने पकडे गए दोनों आरोपियों से पशु काटने के उपकरण, 315 वोर के दो तमंचे,दो जिंदा कारतूस वरामद किए। दोनों आरोपियों पर पूरनपुर कोतवाली में कई मुकदमे दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद जेल भेज दिया। थाना प्रभारी प्रकाश सिंह ने वताया गौकशी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

लिटिल एंजल्स स्कूल के विद्यार्थियों ने एस.ओ.एफ. गणित ओलंपियाड में लहराया परचम

- सातवीं के सूरज, विराट, कुषाग्र और अक्षज को डिस्टिंक्शन मेडल,विभिन्न कक्षाओं के 35 छात्रों को एक्सीलेंस मेडल

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

- कक्षा 1-शिवांशी, स्तुति गंगवार, मोहम्मद हिफ़ज़ान खान, दबीर अफ़ज़ल खान
- कक्षा 2-प्रणय दीक्षित, अनव अग्रवाल, नक्ष अग्रवाल, विभांश पांडेय
- कक्षा 3-आयुष सक्सेना, मोहम्मद ग़ज़न खान, नंदिश अग्रवाल
- कक्षा 4-वैभव राठौर, आद्या अग्रवाल, आरना गुप्ता, तनुष कुमार, ओजस्वी ग्वाल
- कक्षा 5-सार्थ गोयल, प्रबल कटियार, आरव रघुवंशी
- कक्षा 6-आरुष दास, समर्थ सक्सेना, आशुतोष रजक
- कक्षा 7-सौरिष अग्रवाल, सात्विक पटेल, अद्वैय नारायण मिश्रा
- कक्षा 8-दिव्यांशी राठौर, क़ाज़ीमा यूनुस, अर्नव जिंदल
- कक्षा 9-शौर्य पांडेय, दर्श गर्ग, आयुष गुप्ता

लिटिल एंजल्स स्कूल, पीलीभीत के विद्यार्थियों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एस.ओ.एफ.) द्वारा आयोजित गणित ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, अभिभावकों और जिले का नाम रोशन किया है। प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट अंक अर्जित कर विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्राप्त किया।

कक्षा 7 के चार होनहार छात्र – सूरज पांडेय, विराट सिंह, कुषाग्र शर्मा और अक्षज को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल उन छात्रों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता दिखाई हो।

इसके अतिरिक्त विभिन्न कक्षाओं से कुल 35 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि लिटिल एंजल्स स्कूल शिक्षा और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में अग्रणी है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र इस प्रकार हैं–

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. संजीव अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक उज्जवल अग्रवाल, प्रधानाचार्य एन.सी. पाठक, उप प्रधानाचार्या अंजू सक्सेना, हेडमिस्ट्रेस नीना मल्होत्रा, ओलंपियाड प्रभारी उत्तम शर्मा, भुवनेश गोयल सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस उपलब्धि को लेकर विद्यालय परिसर में हर्ष का वातावरण रहा। विद्यालय प्रशासन ने आशा जताई कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों को भी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए प्रेरित करेगी।

सरकारी सहायता शीघ्र उपलब्ध कर बाघ को पकड़ने की कार्रवाई की जाए तेज: नफीस अहमद अंसारी

- बाघ हमले में मृत महिला के घर पहुंचे सपा प्रतिनिधिमंडल पीड़ितों को दी आर्थिक सहायता व सांत्वना

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

ग्राम मडारिया की महिला कृष्णा देवी की हाल ही में हुए बाघ के हमले में दर्दनाक मौत तथा ग्राम सेजना सेजनिया के ग्रामीण निलेश के घायल होने की घटना पर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने मृतका कृष्णा देवी के घर पहुंचकर उनके पुत्र हीरालाल सहित परिजनों से भेंट कर गहरा शोक जताया। इस दौरान समाजवादी अधिवक्ता सभा बरखेड़ा विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट धनपति वर्मा ने मृतका के पुत्र को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इसके साथ ही घायल निलेश के परिवार से भी प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सपा नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाए तथा बाघ को पकड़ने की कार्रवाई तेज की जाए ताकि ग्रामीणों में व्याप्त भय का वातावरण समाप्त हो सके। प्रतिनिधिमंडल में सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, जिला प्रवक्ता एडवोकेट अमित पाठक, एडवोकेट अशोक वर्मा, पूरनपुर विधानसभा अध्यक्ष शेखर यादव, संजय सिंह यादव, समाजवादी युवजन सभा के जिला अध्यक्ष गोविंद गंगवार, दिनेश वर्मा, शिवकुमार वर्मा समेत कई समाजवादी नेता मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि वन विभाग और शासन की लापरवाही के चलते आए दिन बाघ के हमलों में निर्दोष ग्रामीण जान गंवा रहे हैं,

लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो समाजवादी पार्टी पीड़ितों के हक में बड़ा आंदोलन करेगी।

अभी भी जारी है बाघ का आतंक, पूरी रात जागकर लोग कर रहे हैं रखवाली, बोले ग्रामीण कभी भी हो सकता है हम पर भी हमला

- स्वामी प्रवक्तानंद ने खोला मोर्चा सीएम योगी से की मुलाकात, बोले 'जनता की सुरक्षा से समझौता नहीं'
- पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में हमलों की बढ़ती घटनाओं पर उठाई आवाज

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर न्यूरिया क्षेत्र के महेशपुर गांव में बाघिन की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। गांव में वन विभाग की टीम डेरा डाले हुए है, जबकि ग्रामीण लाठी-डंडों के साथ निगरानी कर रहे हैं।

गांव की निवासी ओमवती ने बताया कि दो दिन से एक बाघिन गांव में देखी जा रही है, जो जिसे पा रही है, उसे खा जा रही है। इस डर से लोग रात को सो नहीं पा रहे। गांव में अधिकतर घर कच्चे हैं और छप्पर वाले मकानों में बाघिन के घुसने की आशंका बनी हुई है। बच्चों के स्कूल के शिक्षक ने भी हिदायत दी है कि बाघिन के पकड़े जाने तक बच्चे स्कूल न आएं और घर से बाहर न निकलें।

बरखेड़ा क्षेत्र के कई गांवों में बाघ के हमलों से कोहराम मच गया है। फुलहर में किसान दयाराम की मौत और सैजनिया व मंडरिया बिथरा में ग्रामीणों के घायल होने के बाद गांवों में दहशत फैली है। घटनाओं के बाद भी दो दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बाघ की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी है। पुलिस व वन विभाग की गश्त जारी है, पर डर बना हुआ है। इन घटनाओं से चिंतित होकर बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने खुद मोर्चा संभालते हुए लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की और पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास के गांवों में हो रहे बाघ व तेंदुए के हमलों को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में विधायक ने बताया कि ग्रामीण लगातार खतरे में हैं। बाघ के हमलों में अब तक कई मौतें हो चुकी हैं और वन विभाग का रवैया ढीला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक की मांग को गंभीरता से लिया और प्रमुख सचिव व वन मंत्री को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विधायक ने वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और प्रमुख सचिव अनिल कुमार से भी मुलाकात की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर बाघ को जल्द न पकड़ा गया तो वे गांव में ही बैठ जाएंगे।

विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने फुलहर गांव पहुंचकर मृतक दयाराम के परिजनों से मुलाकात की और चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता की जानकारी दी।

मंडरिया बिथरा में मारी गई कृष्णा देवी के परिजनों को भी पांच लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की गई। वहीं, बाघ हमले में घायल सैजनिया की मीनादेवी को चत्तरू लखनऊ में भर्ती कराया गया, जहां विधायक ने शुक्रवार रात तक पहुंचकर चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया और निजी आर्थिक सहायता दी। विधायक ने वन विभाग को निर्देशित किया है कि जंगल से सटे गांवों में फेंसिंग, निगरानी कैमरे और नियमित गश्त अनिवार्य रूप से की जाए। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अंधेरे या सुनसान रास्तों से बचें। बरखेड़ा विधायक की यह सक्रियता पूरे जनपद में चर्चा का विषय बन गई है। जहां एक ओर विधायक ने मुख्यमंत्री से लेकर प्रमुख सचिव तक संवाद किया, वहीं अन्य जनप्रतिनिधि अब भी चुप्पी साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने विधायक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनका नेता संकट में भी उनके साथ खड़ा है।

विधायक ने पहले ही भेजा था पत्र

स्वामी प्रवक्तानंद ने बताया कि इन घटनाओं से पूर्व ही उन्होंने मुख्यमंत्री को लेटर पैड पर पत्र भेजकर गांवों में बाघों के हमलों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई थी। उन्होंने पहले से चेताया था कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो जनहानि हो सकती है।विधायक के प्रयासों से शासन-प्रशासन हरकत में आ गया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही बाघ को पकड़ा जाएगा और क्षेत्र को भयमुक्त किया जाएगा।

सगे भाइयों ने किया विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म कार्यवाही न होने पर संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। नशे की हालत में सगे भाइयों ने मायके में आई विवाहिता को बुरी नियत से दबोच कर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर परिवार को खत्म करने की धमकी दी। शिकायत पर के बावजूद पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। संपूर्ण समाधान दिवस में महिला ने न्याय की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव की रहने वाली विवाहिता ने बताया उसका विवाह माधोटांडा क्षेत्र में हुआ है। 7 मई को वह अपने मायके में रात 9 बजे वह घर पर लेटी हुई थी। तभी गांव के रहने वाले तीन सगे भाई शराब के नशे में घुस आए। इसके बाद चारपाई पर लेटी विवाहिता को बुरी नीयत से दबोच लिया। मुंह में कपड़ा ठूंस कर उसके साथ तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। शोर मचाने पर गाली गलौज कर उसकी पिटाई लगाई। रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी। अगले दिन पीड़िता ने घटना की शिकायत कोतवाली पहुंचकर की। इस पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उसके बयान दर्ज हो चुके हैं। अब आरोपी लगातार उसको जान से मारने की ऐलानियां धमकी दे रहे हैं। घटना से पूरा परिवार काफी भयभीत है। शनिवार महिला ने संपूर्ण समाधान दिवस में पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला के भाई ने बताया कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नही हुई है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने वताया कि मेरे पास इसकी शिकायत नही आई है।

एक्सप्रेस खबरें...

युवती ने खाया जहर, मौत

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र के जट पुरवा डी गांव में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सहीबुननिशा पुत्री नफीस खान ने शुक्रवार की शाम अपने घर में जहर खा लिया। युवती के भाई आमिर ने बताया कि उसकी बहन का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटना के वक्त युवती घर पर अकेली थी। पहले आरोपी युवक से उसकी फोन पर बातचीत हुई, जिसके बाद उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया।परिजनों ने जब उसकी हालत बिगड़ती देखी तो आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ओयल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान 18 जुलाई की रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। युवती के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।परिवार वालों ने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आज पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया करवा रही है।घटनास्थल और मोबाइल कॉल डिटेल की भी जांच की जा रही है।

गोला पुलिस क्षेत्राधिकारी ने रात्रिकालीन देखी सुरक्षा व्यवस्था

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी। नवागत कार्यवाहक पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला शिवम सिंह ने सावन माह के चलते कांवडियो की सुरक्षा व्यवस्था मे लगे पुलिस ड्युटी को चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।गोला मे प्रसिद्ध सावन का?वड मेला होने के चलते गोला नगर के आस पास के क्षेत्रो कांवडियो की सुरक्षा मे लगी भारी पुलिस को गोला पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवम ने चेक किया है।इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया की हैदराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत केवल हैदराबाद थाना क्षेत्र केवल सात कांवडिया राहत शिविर स्थाई पुलिस चेक बनाई गई है। इसमे कांवडियो की सुरक्षा मे लगी टीमे चौविसो घंटे अपनी सेवा देती रहेगी। इसके साथ ही गोला मोहम्मदी रोड पर नहर पुल ममरी के पास बनी स्थाई चौकी व गोला सिकंदराबाद मोड व घरघनिया जडौरा के पास बनी स्थाई पुलिस चौकियो को चेक किया है। इस मौके पर गोला ट्राफिक के सब इंस्पेक्टर जुगेन्द्र सिह सहित तमाम ट्राफिक पुलिस व सिविल पुलिस मौजूद रही।

विद्यालय मे संचारी रोग जागरूकता अभियान की चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी। संचारी रोग जागरूकता के अंतर्गत गाँधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोला- खीरी में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद-गोला के अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू ने बच्चों को नगर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की जानकारी देते हुए विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।प्रतियोगिता में यशवंत शर्मा ने प्रथम,राधिका शुक्ला ने द्वितीय, लता अवस्थी ने तृतीय तथा ऋतिक, सुमित, राधा, कामरान, लक्ष्मी व मुस्कान ने सांत्वना स्थान प्राप्त किया।प्रधानाचार्य डॉ सौरभ दीक्षित ने आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।मौके पर रविन्द्र कटियार,लवकुश अवस्थी,शिक्षक राम सनेही,डॉ राजेश कुमार, कार्यक्रम संयोजक नागेश वर्मा,आमिर हुसैन,श्रीश गुप्ता ,तेजराम गंगवार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

भागवत कथा में सुनाया राम विवाह का प्रसंग

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी। शिव की नगरी छोटी काशी स्थित साईं मैरिज लान में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास संजीवनी मिश्रा ने राम विवाह के प्रसंग का वर्णन किय है। कथा व्यास ने कहा कि राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के लिए स्वयंवर का आयोजन किया था। जिसमें शर्त रखी गई थी। कि जो शिव के धनुष को तोड़ेगा, वही सीता से विवाह करेगा। कई राजाओं ने धनुष को तोडने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी धनुष को उठा भी न सका। भगवान राम गुरु विश्वामित्र के साथ जनकपुर पहुंचे और शिव धनुष को तोड़ा,जिससे सीता का विवाह उनसे तय हुआ। इस विवाह में राजा दशरथ अपने अन्य दोनो पुत्रों और पूरे परिवार के साथ बारात लेकर जनकपुर पहुंचे थे। विवाह के बाद, राम, सीता, लक्ष्मण, उर्मिला, भरत, मांडवी, शत्रुघ्न और श्रुतकीर्ति की शादियां भी हुईं। कार्यक्रम के दौरान कई सजीव झांकियों के प्रदर्शन ने श्रोताओं का मनमोह लिया।

बिजली करंट से पति की मौत, पत्नी की हालत गंभीर

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

बिजली मोटर के तार की मरम्मत के दौरान एक मजदूर की करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसे बचाने के प्रयास में पत्नी भी करंट की चपेट में आ गई। महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव सबलपुर मु.रमपुरा फकीरे निवासी जगदीश सिंह पुत्र निर्मल सिंह मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। शनिवार को वह घर में लगी मोटर के तार में टेप लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली करंट दौड़ गया। जिससे वह तार से चिपक गए। पति को करंट से चिपका देख पत्नी रामवती उन्हें बचाने दौड़ी। जैसे ही उसने पति को छुआ, वह भी करंट की चपेट में आकर चिपक गई। रामवती की चीख-पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और तार खींचकर दोनों को किसी तरह अलग किया।इसके बाद दोनों को तत्काल पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जगदीश को मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी रामवती को झुलसी हुई हालत में भर्ती कर लिया गया है। हादसे को लेकर परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर दर्जनों लोग जुट गए। बताया जा रहा है कि मृतक जगदीश के चार बेटियां और एक पुत्र है। जिनमें से तीन बेटियों की शादी हो चुकी है।

चारा काट रहे पिता-पुत्र पर किया जानलेवा हमला

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

जिले के मोहम्मदी वन रेंज के आंवला बीट क्षेत्र के परसेहरा गांव निवासी 55 वर्षीय राम शंकर और उनके 23 वर्षीय पुत्र पवन कुमार पर शनिवार सुबह बाघ ने हमला कर दिया।हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां इलाज जारी है। इस हमले से गांव और आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई है।राम शंकर अपने बेटों रोहित, पंकज, पवन और भाई के साथ सुबह गांव से चार किलोमीटर दूर कठिना नदी किनारे स्थित अपने खेत पर चारा काटने गए थे. तभी खेत से अचानक निकले बाघ ने पवन पर हमला कर दिया। बेटे की चीख सुनकर पिता राम शंकर उसे बचाने दौड़े, लेकिन बाघ ने उन पर भी झपट्टा मार दिया। पिता-पुत्र की चीख सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने शोर मचाया और दौड़ पड़े। भीड़ देखकर बाघ दोनों को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने के बाद वन दरोगा रोहित श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ सीएचसी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। अधिकारियों ने पुष्टि की कि हमला बाघ ने किया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी पहले से देखी जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले जंगल या खेत की ओर न जाने की सलाह दी गई है। वन विभाग इलाके में लगातार निगरानी कर रहा है।

मंगल पांडे जी की जयंती की जयंती के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

शनिवार को समय 12-00 बजे कांग्रेस भवन पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा 1857 क्रांति के महानायक भारत में अंग्रेज शासन के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाने वाले मंगल पांडे जी की जयंती की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित कर गोष्ठी का आयोजन किया।उक्त गोष्ठी की अध्यक्षता डाक्टर रईस अहमद उस्मानी ने की। उक्त गोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अधिवक्ता शिव सहाय ने कहा कि मंगल पांडे जी भारत के पहले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक के रूप में जाना जाता है। उन्हें 1857 के के सिपाही का नायक माना जाता है।और 1857 के विद्रोह में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। बागी बलिया उन्हीं के नाम से जाना जाता है। कांग्रेस उपाध्यक्ष रवि तिवारी ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मंगल पांडे जी का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गांव में एक ब्राम्हण परिवार में हुआ था द्य मंगल पांडे जी का प्रसिद्ध नारा मारो फिरंगी को, था। यह नारा 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान उनके द्वारा दिया था जो ब्रिटिश शासन के खिलाफ था द्य मंगल पांडे को 1857 के विद्रोह का एक प्रमुख नेता माना जाता है और उनका यह नारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।आज हम सब लोग स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी योद्धा मंगल पांडे जी की जयंती मना रहे हैं उनके मार्गदर्शन में हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए द्य उन्होंने ने देश के लिए हंसते हुए फांसी पर झूल गए अंग्रेजों के सामने झुके नहीं। ऐसे वीर सपूत को उनकी जयंती पर बंदन, शत शत नमन करते हैं।

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित कोमल सिंह,आफताब अंसारी, रामपाल शाक्य, अब्दुल रहीम, राजेंद्र गुप्ता, सत्ती सरन गौतम, पंछी देवी, रजिया बानो, दाता राम, राम देवी, वीरेंद्र सिंह हरगोविंद, सुनील कुमार आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

नहीं मान रहा चीन: ब्रह्मपुत्र नदी पर शुरू...

भारत और बांग्लादेश के विरोध के बावजूद चीन ने दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू कर दिया है। उसका दावा है कि इससे हर साल 300 अरब किलोवाट बिजली का उत्पादन होगा। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ... ▸ पढ़ें पेज 8 पर...

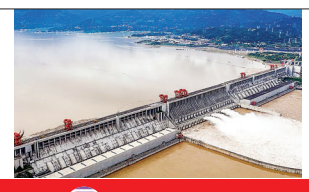

फर्जी बोर्ड लगाकर जनता को गुमराह कर रहा 'जनता हॉस्पिटल'

■ संचालक अशोक सिद्धार्थ गौतम पर उठे सवाल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ/हरदोई

हरदोई रोड स्थित जनता हॉस्पिटल एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इलाज के नाम पर खुलेआम झूठ, फर्जी डिग्रियाँ, और गैर-कानूनी गतिविधियों का सिलसिला चल रहा है, और हैरानी की बात ये है कि स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आंख मूंदकर बैठे हैं। संचालक अशोक सिद्धार्थ गौतम पर आरोप है कि वे न सिर्फ बिना किसी वैध मेडिकल पंजीकरण के फर्जी चिकित्सकों से इलाज करवा रहे हैं, बल्कि झूठे बोर्ड लगाकर भोली-भाली जनता को गुमराह कर रहे हैं।

जनता के नाम सख्त चेतावनी

जन एक्सप्रेस आम जनता को आगाह करता है - किसी भी ऐसे संस्थान में इलाज कराने से पहले डॉक्टर की डिग्री, रजिस्ट्रेशन नंबर, अस्पताल की हह्ष्ट और आधारभूत चिकित्सा सुविधाओं की पुष्टि जरूर करें। झूठे बोर्ड और फर्जी डिग्रियों के सहारे भोली जनता की जान से खिलवाड़ करने वाले ऐसे संस्थानों पर तत्काल कार्यवाही होनी चाहिए। वरना यह चुप्पी किसी दिन किसी मासूम की जान ले सकती है - और इसका जिम्मेदार सिर्फ हॉस्पिटल संचालक नहीं, बल्कि प्रशासन भी होगा।

प्रशासन खामोश, स्वास्थ्य विभाग बेखबर

जब हर पहलू पर यह हॉस्पिटल फेल हो रहा है तो बड़ा सवाल यह है कि स्वास्थ्य विभाग अब तक क्यों खामोश है? सीएमओ कार्यालय और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अब तक इस पर कोई निरीक्षण क्यों नहीं किया?

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से कड़े सवाल

- क्या जनता हॉस्पिटल को किसी भी वैध क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकरण प्राप्त है?
- क्या यहां कार्यरत तथाकथित डॉक्टरों की डिग्रियाँ भारतीय चिकित्सा परिषद से प्रमाणित हैं?
- क्या अस्पताल के पास फायर सेफ्टी हह्ष्ट, बायोमेडिकल वेस्ट निपटान अनुमति, और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्लान मौजूद है?
- क्या कभी इस संस्थान का स्वास्थ्य निरीक्षण या नियमित ऑडिट किया गया है?
- यदि नहीं, तो इस ढुलमुल रवैये के पीछे क्या कारण है?

फर्जी डिग्रियों और भ्रामक दावों का अड्डा बना 'जनता हॉस्पिटल'

अस्पताल के बाहर लगे होर्डिंग्स पर बड़े-बड़े दावे 24 घंटे सेवा उपलब्ध, कर्म रोगों की विशेष चिकित्सा, हर बीमारी का इलाज मगर हकीकत में यह सब एक दिखावा है। डॉ. नदीम अहमद और डॉ. एम. जावेद के नाम के साथ जो डिग्रियाँ लिखी हैं – MBBS, PGDCC, FAM, Master Class in Dermatology– उनमें से किसी की पुष्टि न मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया में मिलती है, न ही कोई रजिस्ट्रेशन नंबर सार्वजनिक है। जन एक्सप्रेस की जांच में खुलासा हुआ है कि बोर्ड पर दर्शाए गए अधिकांश नाम और डिग्रियाँ या तो ग़ैर-प्रमाणित हैं या फर्जी।

आग से निपटने का कोई इंतज़ाम नहीं

- सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह तथाकथित हॉस्पिटल किसी भी आपातकालीन हालात से निपटने के लिए तैयार नहीं है।
- फायर एनओसी की न तो जानकारी दी गई है और न ही कोई अलार्म सिस्टम या अग्निशमन उपकरण देखे गए हैं।
- बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल एनओसी – जो कि हर अस्पताल के लिए अनिवार्य है – यहां पूरी तरह से नदारद है।
- यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य विभाग के बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 का उल्लंघन है।
- पार्किंग की सुविधा नहीं, जिसके कारण अक्सर सड़क पर जाम की स्थिति बनती है और एम्बुलेंस तक को प्रवेश में समस्या होती है।
- इमरजेंसी वार्ड या आईसीयू की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं, जबकि बोर्ड पर '24 घंटे इमरजेंसी सेवा' का दावा किया गया है।

झोलाछापों के भरोसे चल रहा कोथांवा का साईं हास्पिटल

दबंगों के दम पर पत्रकार व सूत्रों को दी जा रही जान से मारने की धमकी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ/हरदोई

जनपद के कोथांवा ब्लॉक में स्थित साईं हास्पिटल की सच्चाई उजागर होने के बाद से हास्पिटल संचालक संदीप सिंह बौखलाया हुआ है। अपने ऊपर उठते सवालों को दबाने के लिए अब वह जनपद के प्रतिष्ठित लोगों से फोन करवाकर पत्रकार व सूत्र पर दबाव बनवा रहा है। जन एक्सप्रेस ने बीते एक सप्ताह से साईं हास्पिटल की करतूतों की परत-दर-परत सच्चाई जनता के सामने रखी है, लेकिन अब तक न तो स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और न ही कोई अधिकारी जांच के लिए मौके पर पहुंचा।

मर्डर का आरोपी बना 'साईं' का रक्षक

सूत्रों की मानें तो बेनीगंज थाने के चर्चित मर्डर केस में आरोपी सभाजीत सिंह गुड्डू, जो हाल ही में वर्षों बाद जेल से छूटकर आया है, अब साईं हास्पिटल का अघोषित 'ठेकेदार' बन चुका है। बताया जाता है कि उसकी रिहाई और जमानत करवाने में खुद संदीप सिंह की अहम भूमिका रही। यही नहीं, अब गुड्डू साईं हास्पिटल से जुड़ी हर शिकायत और विवाद का 'निपटारा' करता है – या तो पैसे के बल पर, और नहीं तो खुलेआम जान से मारने की धमकी देकर।

अब इंतज़ार जनता को नहीं, कार्रवाई का है

इस पूरे प्रकरण पर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ, स्वास्थ्य मंत्री व डीजीपी को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए – क्योंकि यह सिर्फ एक अस्पताल की लापरवाही नहीं, पत्रकारिता पर खुला हमला है। यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता यही समझेगी – उत्तर प्रदेश में अपराधी ही असली संचालक हैं, और व्यवस्था उनके रहमो-करम पर चल रही है।

साईं हास्पिटल संचालक संदीप सिंह

पत्रकार व सूत्र को दी गई धमकी, खबर छापी तो पूरे परिवार को खत्म कर दूंगा

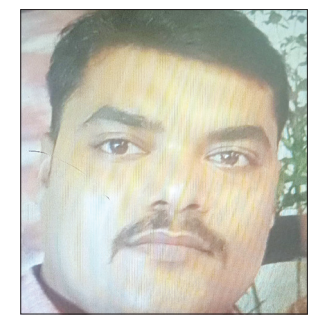

जब जन एक्सप्रेस ने साईं हास्पिटल की महिला मरीजों से जुड़े गंभीर मामले को उजागर किया, तो अगले ही दिन सभाजीत सिंह गुड्डू ने संवाददाता को फोन कर धमकी दी। अब सूत्रों के अनुसार, एक अज्ञात नंबर से सूत्र को फिर से गुड्डू ने फोन कर कहा, अगर साईं हास्पिटल की खबर मीडिया में दी, तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को जान से मार दूंगा।

अपराधियों की शरणस्थली बनते अस्पताल

भाजपा सरकार हर मंच से यह दावा करती है कि उत्तर प्रदेश अब अपराधियों का गढ़ नहीं, बल्कि रामराज्य का प्रदेश है। लेकिन जब एक झोलाछाप डॉक्टर का अस्पताल हत्या के आरोपी की छत्रछाया में खुलेआम पत्रकार व सूत्र को धमकी दिला रहा हो, तो सवाल उठना लाज़िमी है

क्या यह रामराज्य है, या फिर दबंगों का जंगलराज?

सरकार को तय करना होगा कि क्या पत्रकारिता का गला घोंटने की खुली धमकी देने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर ऐसे अपराधी यूं ही नेताओं की जेब में घूमते रहेंगे।

क्यों चुप है स्वास्थ्य विभाग? राजनीतिक संरक्षण या सौदेबाज़ी?

सवाल यह है कि बार-बार खबरें छपने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी आखिर किस सौदे का हिस्सा है? क्या संदीप सिंह को कुछ स्थानीय नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जो स्वास्थ्य विभाग को लकवाग्रस्त बना चुका है?

जनसूचना अधिकारी पर लगा 25,000 का जुर्माना सूचना न देने पर राज्य सूचना आयोग का सख्त रुख

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए मेरठ के अपर जिलाधिकारी एवं जनसूचना अधिकारी सत्य प्रकाश पर 25,000 का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आयोग द्वारा समय-समय पर भेजी गई नोटिसों का पालन न करने और मांगी गई सूचना समय पर न देने के कारण लगाया गया है। यह मामला अपील संख्या एस-11-ए-1206/2024 से संबंधित है, जिसमें अपीलकर्ता नवल किशोर शर्मा ने 3 मई 2024 को सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन देकर 1 जनवरी 2023 से 21 मार्च 2023 के बीच अधिरोपित अर्थदण्डों की वसूली से जुड़ी जानकारी मांगी थी। हालांकि जनसूचना अधिकारी ने सूचना देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि यह सूचना अधिनियम की नियमावली के अंतर्गत देय नहीं है। आयोग ने इसे असंतोषजनक बताते हुए कई बार सुनवाई की, लेकिन इसके बावजूद संबंधित अधिकारी द्वारा न तो पूरी सूचना दी गई और न ही आयोग की नोटिसों का कोई उत्तर प्रस्तुत किया गया। राज्य सूचना आयुक्त वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम का इस प्रकार उल्लंघन गंभीर और आपत्तिजनक है। आयोग ने आदेश दिया है कि 25,000 की राशि श्री सत्य प्रकाश के वेतन से एक किस्त में वसूली जाए और जब तक यह वसूली पूरी न हो, तब तक उनके समस्त देयकों के भुगतान पर रोक लगाई जाए। इस संबंध में आदेश की प्रतियां जिलाधिकारी मेरठ और वरिष्ठ कोषाधिकारी को भेज दी गई हैं। आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि अपीलकर्ता को मांगी गई सूचना आगामी 15 दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारी पर विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की जाएगी। इस मामले में अगली सुनवाई 20 अगस्त 2025 को निर्धारित की गई है।

29 और 30 को लगेगा रोजगार मेला, 204 संविदा बस चालक होंगे भर्ती

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में परिवहन निगम के लखनऊ परिक्षेत्र के लिए 204 संविदा बस चालकों की भर्ती 29 व 30 जुलाई को होगी। इसके लिए अवध बस स्टेशन के ड्राइवर ट्रेनिंग एंड काउंसिलिंग सेंटर पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक रोजगार मेला लगाया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास है। न्यूनतम आयुसीमा 23 वर्ष छह माह, लंबाई पांच फीट तीन इंच, भारी वाहन चलाने का कम से कम दो वर्ष पुराना हैवी लाइसेंस होना चाहिए। अभ्यर्थी इन दस्तावेज के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, प्रमाणपत्र, लाइसेंस, आधार कार्ड, पैनकार्ड की छायाप्रतियां लेकर पहुंचें। पहले टेस्ट में सफल रहने वाले अभ्यर्थियों को दूसरे टेस्ट के लिए आइंडीटीआर रायबरेली भेजा जाएगा। इसमें सफल होने वाले ही चुने जाएंगे।

बीकेटी संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न: 103 में से सिर्फ 23 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के बख्शी का तालाब तहसील सभागार मे आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 103 शिकायतें एसडीएम बीकेटी को प्राप्त हुईं। जिनमें से सिर्फ 23 शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण हो पाया। वहीं उप जिलाधिकारी (एसडीएम) सतीश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस संपन्न हुआ। इस समाधान दिवस में 80 शिकायतें लंबित रह गईं, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं प्राप्त शिकायतों का विवरण इस प्रकार है। राजस्व विभाग 59 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 17 का ही मौके पर निपटारा हो सका। वहीं विकास 12 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 का तुरंत निस्तारण किया गया। विभाग पुलिस विभाग की 16 शिकायतें दर्ज की गईं, एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो पाया तथा गुडंबा थाना का कोई भी पुलिसकर्मी तहसील दिवस में नहीं पहुंचा। वहीं समाज कल्याण 3 शिकायतें प्राप्त हुईं। मामलों के बड़े पैमाने पर लंबित रहने पर एसडीएम बीकेटी सतीश चंद्र त्रिपाठी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिये है, कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी और सभी लंबित मामलों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाये। वहीं तहसील समाधान दिवस के दौरान कुछ कर्मचारी व अधिकारी मोबाइल फोन चलाते हुए दिखाईं दिए।यह घटनाक्रम अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है, खासकर जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता जनसुनवाई और त्वरित निस्तारण रही हैं।

महिला की रीढ़ की हड्डी में फंसी थी गोली, जांच में पता चला तो उड़े होश, ऑपरेशन कर निकाली गई

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ में एक महिला की रीढ़ की हड्डी में 35 साल से गोली फंसी थी। उसे इसकी भनक तक नहीं थी। कुछ दिनों से जब महिला को चलने-फिरने में दिक्कत और दर्द होना शुरू हुआ। इस पर उन्होंने सिविल अस्पताल में डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी है। यह चौंकाने वाली घटना बंथरा के सिकंदरपुर निवासी रेखा (53) के साथ हुई है। उनकी रीढ़ की हड्डी के पास नीचे की ओर काफी दिनों से दर्द हो रहा था। दर्द लगातार बढ़ रहा था। परिजनों ने दो दिन पहले उन्हें सिविल अस्पताल की ओपीडी में डॉ. आरके गौतम को दिखाया। डॉ. आरके गौतम ने एक्सरे करवाया तो जांच में रीढ़ के पास गोली धंसी होने की बात पता चली। डॉक्टर ने परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि करीब 35 साल पहले एक विवाद दौरान गोली चली थी। गोली महिला को लग गई थी। आशंका जताई जा रही थी गोली छूकर निकल गई है। खून निकलने पर उस वक्त दवा, पट्टी करा ली गई थी। जख्म सूख गया था। उसके बाद से किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो रही थी।

सीतापुर रोड पर बसेगा नया नैमिष नगर, 2500 एकड़ में बनेगा अत्याधुनिक शहर

■ किसानों को जागरूक कर जुटाई जाएगी भूमि, दो लाख से अधिक लोगों को मिलेगा आवास

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ के विकास की दिशा में एक और बड़ी पहल करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने सीतापुर रोड पर 'नैमिष नगर' विकसित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए करीब 2504 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है और किसानों से संवाद शुरू करने की रणनीति तैयार की गई है। शनिवार को बीकेटी तहसील में आयोजित राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक में एलडीए ने भूमि जुटाव के लिए व्यापक कार्ययोजना पेश की। एलडीए के संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एसडीएम बीकेटी सतीश त्रिपाठी, तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

यह होगा नैमिष नगर का स्वरूप

सीतापुर रोड व रैथा रोड के किनारे विकसित होगा नया नगर। ग्राम- भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फर्रुखाबाद, कोड़री भौली, कमलाबाद, कमलापुर, पल्हरी, गोपरामऊ, बारूमऊ, धतिंगरा, सैदापुर की भूमि चिन्हित। करीब दो लाख लोगों को मिलेगी आवासीय सुविधा। योजना के साथ आसपास के गांवों में भी होंगे विकास कार्य संपर्क मार्ग, बारातघर, खेल मैदान, स्वास्थ्य केंद्र, तालाब, स्कूल, कब्रिस्तान, श्मशान आदि।

किसानों को मिलेगा फायदा

संयुक्त सचिव ने कहा कि किसानों को उनकी भूमि के बदले मिलेगा उच्च दरों पर मुआवजा, ग्रामीण क्षेत्रों में सर्किल रेट का चार गुना। शहरी क्षेत्रों में सर्किल रेट का दो गुना। लैंड पूलिंग और आपसी सहमति का विकल्प भी मौजूद रहेगा।

मिल रहा मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना का समर्थन

इस योजना को मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत अंतिम रूप दिया जा रहा है। एलडीए अधिकारियों का कहना है कि यह योजना लखनऊ के उत्तर क्षेत्र में आवास, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य व लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में नए आयाम जोड़ेगी। साथ ही बड़े निवेश और रोजगार के अवसर भी लेकर आएगी।

जल्द बनेगा साइट ऑफिस

एलडीए ने बताया कि योजना क्षेत्र में एक साइट ऑफिस का निर्माण भी जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए राजस्व विभाग की सहायता से उपयुक्त जमीन चिन्हित की जाएगी।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

जोनल अधिकारी संगीता राघव, तहसीलदार अर्जन हेमचंद्र तिवारी, नायब तहसीलदार ज्ञानेन्द्र शुक्ला सहित कई अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

साली, 5 साल की बेटी को भगाने, धर्मांतरण का आरोप, सलमान शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट के मड़ियांव थाना क्षेत्र में शनिवार को धर्मांतरण का मामला सामने आया है। अनिल कश्यप का आरोप है कि सीतापुर निवासी सलमान शेख उनकी पत्नी प्रीति कश्यप,साली सरोज और पांच साल की बेटी कनिका को धर्मांतरण के लिए भगाकर ले गया। बता दें कि लखनऊ के मडियांव थाना अंतर्गत संत कबीर नगर फैजुल्लागंज निवासी अनिल कश्यप ने बताया कि वह अपनी पत्नी प्रीति कश्यप और बेटी के साथ रहता था?। पत्नी की देखभाल के लिए उनकी साली सरोज कश्यप लगभग दो माह से उसके घर में रह रही थी। वहीं सीतापुर के सिधौली में रहने वाला सलमान शेख उसकी साली सरोज का प्रेमी है। वह अक्सर अनिल कश्यप के घर में आता जाता था, जब अनिल घर पर नहीं होता था, तो सलमान उसकी साली सरोज कश्यप तथा पत्नी प्रीति कश्यप से इस्लाम धर्म के बारे में चर्चा किया करता था और उनको इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए कहता था। वह उन्हें कई तरह के प्रलोभन भी देता था। अनिल कश्यप का आरोप है कि सलमान शेख ने उनकी पत्नी और साली का ब्रेनवॉश कर दिया। 15 जुलाई को सलमान उनकी साली सरोज कश्यप, पत्नी प्रीति कश्यप और उनकी बेटी कनिका कश्यप का धर्म परिवर्तन करने के लिए बहला फुसलाकर भगा ले गया।

500 कावड़ियों ने किया गोपेश्वर महादेव का जलाभिषेक

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के मलिहाबाद में शिव भक्तो ने श्रावण मास की पवित्र कावड़ यात्रा का शुभारंभ कानपुर के पावन गंगा तट से जल लेकर 500 भक्तों द्वारा श्री गोपेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक किया।साथ ही भक्तो द्वारा भगवान गोपेश्वर नाथ का 56 भोग लगाया गया।गौशाला परिवार द्वारा कावड़ियों को प्रसादी की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।कावड़ियों के स्वागत मे पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह चौहान द्वारा भक्तों के लिए प्रसादी साहित आम की व्यवस्था करवाई गई।मोहान रोड पहुंची कावड़ यात्रा का स्वागत गौशाला परिवार के उमाकांत गुप्ता,अनिल सिंह चौहान,डायरेक्टर कॉपरेटिव बैंक पंकज गुप्ता,विकास पाठक,आदित्य अवस्थी,रूपेश मिश्र,सोनू सिंह,विनय सिंह सहित नगर वासियों ने भाग लेकर कावड़ यात्रा का सम्मान किया।यात्रा में नगर प्रशासन और इंस्पेक्टर सुरेंद्र मिश्र ने पुष्प वर्षा कर कावड़ यात्रा का स्वागत किया पुलिस की मुस्तैदी से क्षेत्र मे सुगमता पूर्वक यात्रा सम्पन हुई।गौशाला मे जलपान के उपरांत चौराहे पर यात्रा का स्वागत विधायक जयदेवी कौशल,सर्वेश प्रधान,अंजू सिंह ने माल्यर्पण कर स्वागत किया फिर यात्रा सिधौली नैमिष धाम के लिए प्रस्थान कर गई।यात्रा संयोजक कानपुर निवासी सेवक लाल कैटरर्स ने बताया प्रतिवर्ष श्रावण मास मे कावड़ यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकल जाती है और अब प्रत्येक वर्ष गौशाला मे विराजमान गोपेश्वर महादेव को कावड़ अर्पित की जाएगी।

पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से सीएम योगी आदित्यनाथ ने की भेंट

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे।वे पार्टी के बड़े नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों से मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज 19 जुलाई को नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात की। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट बताई गई है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गहन विचार विमर्श किया और मार्गदर्शन प्राप्त किया। वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से आज मुलाकात की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय रासायनिक, उर्वरक एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रकाश नड्डा से आज 19 जुलाई को नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिष्टाचार भेंट की।

तुम जैसी.....!

मेरे आने की आहट सुनकर....!
तेरा...घूँघट में...ख़ुद ही शरमाकर...
दरवाजे के पीछे छुप जाना....
लाख ललक के बाद भी...!
सबसे बाद में ही मिल पाना....
वह भी सबकी चोरी से...
आज भी मुझे याद है.....
बदन में लेकर उष्ण प्रवाह....!
तप्त सांस,सजल आँखें गहरी अथाह
दिखाने पर जिनको.....!
डॉक्टर जरूर यही कहता,
बढ़ा हुआ है ब्लड प्रेशर....
मानता तो था मैं भी यही....पर....
मुझे याद है.... तू कहती थी न...
समाज में हुआ नहीं जाता है थेथर...
किसी अजनबी के आने पर....!
ननद या देवर को बुलाने का,
तुम्हारा वह निराला अंदाज....
कभी रसोई वाले चमचे से,
कभी दरवाजे की कुण्डी से....
कितना सुंदर सा...बनाया था रिवाज
खो ही गया है प्यारी....!
तुम्हारे बाद से....यह अद्भुत रिवाज..
पर ....मुझे तो अब भी याद है....
तुम्हारे सहज-सुंदर श्रृंगार पर....!
हमेशा लज्जा रही जो भारी...
बस इसी कारण ही तो....
हमने करी थी हमेशा मनुहारी....
तुम्हारी पायल के घुँघरू से,
होती थी जो सुबह शुरू....
सच मानो...मुझे अब भी याद है...
रात में तुम्हारा इंतजार भी....!
खत्म कराते थे न....यही घुँघरू....
मर्जी तुम्हारी...मानो या ना मानो...
चली गई है....रोटी की मिठास,
चूल्हे-चौके के संग-संग....!
फुकनी भी अब दिखती है उदास...
देखने को अब कभी नहीं मिलता....
घूँघट में चूल्हे के पास,
आग जलाने को परेशान....!
तेरा वह चेहरा हताश-
निराश....पर... लिए मुख पर अद्भुत
मुस्कान-प्रकाश अब तो...देखकर
सूप-चलनी...और. ओखल-
मूसर,जाता-चक्की.....!
नई बहुरिया....सौ फ़ीसदी पक्की...
हो जाती है हक्की-बक्की....
तब तो तुम थी और तेरी फितरत
थी जिसे इन सब की जरूरत थी....
इसी बहाने सुनने को मिल जाता था
सोहर,कजरी,चैता जैसा गीत-
संगीत मुझे आज भी बखूबी याद
है.... तुम्हारे लिए तो होती थी,
बच्चों में अकसर मारामारी
अब तो....नही दिखती है....
किसी के भी आगे-पीछे...!
सजती हुई....बच्चों की फुलवारी...
नहीं मिलती है...किसी के बक्शे में...
किशमिश-मिसरी-बतासा...या
फिर.. गुड़ही-गुड़िया प्यारी-प्यारी...
मुझे तो अब तक याद है सब कुछ...
पर....गज़ब का परिवर्तन....
ज़माने में हुआ है प्यारी....
सच क्या है....पता नहीं मुझको....!
पर.... अब के दौर में....
तुम जैसी....नहीं दिखती है नारी....!
तुम जैसी....नहीं दिखती है नारी....!

रचनाकार
जितेन्द्र कुमार दुबे
अपर पुलिस उपायुक्त,लखनऊ

नहीं मान रहा चीन : ब्रह्मपुत्र नदी पर शुरू किया दुनिया का सबसे बड़े बांध का निर्माण

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। बीजिंग

भारत और बांग्लादेश के विरोध के बावजूद चीन ने दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू कर दिया है। उसका दावा है कि इससे हर साल 300 अरब किलोवाट बिजली का उत्पादन होगा। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि इस बांध से तिब्बत में बिजली की जरूरतें पूरी होंगी। परियोजना पर कुल 1.2 ट्रिलियन युआन (167 अरब डॉलर, करीब 14 लाख करोड़ रुपये) का निवेश होने की योजना है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है। चीन की इस परियोजना का भारत और बांग्लादेश विरोध कर रहे हैं। इसके बावजूद चीन ने इस परियोजना को जोर-शोर से शुरू करने का फैसला किया है। ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने की शुरुआत का एलान खुद चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने किया है। शनिवार को चाइना याजियांग ग्रुप नाम की एक नई कंपनी का भी आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। शिन्हुआ ने बताया कि यह कंपनी तिब्बत के दक्षिण-पूर्व में स्थित निंगची शहर में स्थित पांच जलप्रपात बांधों वाली इस जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए जिम्मेदार होगी।

भारत भी ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बना रहा है

यह भी दिलचस्प है कि चीन के अलावा ब्रह्मपुत्र पर भारत भी बांध बना रहा है। हालांकि, यह परियोजना तिब्बत नहीं, अरुणाचल प्रदेश में है। भारत और चीन ने सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए 2006 में विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र (ईएलएम) की स्थापना की थी। इसके तहत चीन बाढ़ के मौसम में भारत को ब्रह्मपुत्र नदी और सतलुज नदी के जलस्तर से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी मुहैया कराता है।

2020 में चीन ने प्रमुख नीतिगत दस्तावेज को स्वीकृति दी

बता दें कि चीन 1.5 बिलियन डॉलर लागत जैम हाइड्रोपावर स्टेशन की शुरुआत 2015 में ही कर चुका है। यह तिब्बत की सबसे बड़ी परियोजना है। ब्रह्मपुत्र पर डैम की यह परियोजना चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021-25) का हिस्सा है। 2020 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने जिस प्रमुख नीतिगत दस्तावेज को स्वीकृति दी थी, यह उसी का हिस्सा है। चीन इस परियोजना को देश के आर्थिक-सामाजिक विकास और 2035 तक अमल में लाए जाने वाले दीर्घकालिक उद्देश्यों का अंग बताता है।

भारत-चीन के बीच तनाव का कारण बनेगा ब्रह्मपुत्र पर बांध

तिब्बत में इस नदी को यारलुंग जांगबो नाम से जाना जाता है। परियोजना के लिए इसी पर बांध निर्माण शुरू हुआ है। इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है। यह बांध चीन और भारत के बीच तनाव का कारण बन सकता है। चीन का दावा है कि निचले इलाकों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। चीन के पर्यावरणविद लंबे समय से ब्रह्मपुत्र घाटी में बांध निर्माण के अपरिवर्तनीय प्रभाव को लेकर चिंतित हैं, जहां नदी 50 किलोमीटर (31 मील) के क्षेत्र में 2,000 मीटर (6,560 फीट) की ऊंचाई तक गिरती है। यह क्षेत्र एक राष्ट्रीय प्रकृति अभयारण्य और देश के प्रमुख जैव विविधता केंद्रों में से एक है।

पानी छोड़ने की कुटिल चाल भी चल सकता है

इस परियोजना से भारत में चिंताएं पैदा हो गई हैं, क्योंकि बांध के आकार और पैमाने के कारण चीन ब्रह्मपुत्र के जल प्रवाह को नियंत्रित कर सकेगा। जल प्रवाह पर अधिकार मिलने पर पड़ोसी देश के साथ टकराव की स्थिति में चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ लाने के लिए भारी मात्रा में पानी छोड़ने की कुटिल चाल भी चल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है। वह जरूरत पड़ने पर तिब्बत के बांध में जमा पानी को बिना किसी पूर्व सूचना के छोड़ सकता है। इससे अरुणाचल प्रदेश और असम के निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है और हालात बिगड़ सकते हैं। बड़े बांध के निर्माण से रिहायशी इलाकों के साथ जंगल और जंगली जानवरों पर भी इसका असर पड़ता है। नदी के बहाव के साथ गाद आती है जो खनिजों से भरपूर होने के साथ खेती और तटीय इलाकों की स्थिरता के लिए जरूरी है। बांध का निर्माण गाद के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है और अरुणाचल प्रदेश की जैव विविधता प्रभावित हो सकती है।

असम के सारईघाट पर 1473 करोड़ रुपये से बनेगा दूसरा रेल सह सड़क पुल, उद्योग-पर्यटन को मिलेगा बल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। गुवाहाटी

असम के ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित ऐतिहासिक सारईघाट पुल के समानांतर अब एक और रेल सह सड़क (डबल डेकरः पुल बनने जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के तहत इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। इस नए रेल सह सड़क पुल बनने से असम के गुवाहाटी क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह परियोजना अगठोरी से कामाख्या तक की रेलवे लाइन डबलिंग योजना का हिस्सा है, जिसकी अनुमानित लागत 1,473.77 करोड़ है। इसे दिसंबर 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पुल कुल 7.062 किलोमीटर लंबा होगा। इसमें 1.3 किलोमीटर लंबा स्टील कंपोजिट गर्डर ब्रिज ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया जाएगा। इसका डबल-डेकर डिज़ाइन खास होगा, निचले तल पर दोहरी रेलवे लाइन और ऊपरी तल पर तीन-लेन सड़क के साथ फुटपाथ होंगे।

कैसा होगा यह नया पुल

शर्मा ने बताया कि यह पुल कुल 7.062 किलोमीटर लंबा होगा। इसमें 1.3 किलोमीटर लंबा स्टील कंपोजिट गर्डर ब्रिज ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया जाएगा। इसका डबल-डेकर डिज़ाइन खास होगा, निचले तल पर दोहरी रेलवे लाइन और ऊपरी तल पर तीन-लेन सड़क के साथ फुटपाथ होंगे। उत्तर दिशा की ओर (अगठोरी) से 2.694 किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग होगा। दक्षिण दिशा की ओर (कामाख्या) से 3.07 किलोमीटर का अप्रोच बनाया जाएगा।

क्या-क्या हो चुका है

एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने फरवरी 2024 में विस्तृत प्राक्कलन (डिटेल्ड एस्टीमेट) को स्वीकृति दी थी, जबकि मार्च 2025 में डिज़ाइन ड्रॉइंग और रिपोर्ट को अंतिम मंजूरी प्रदान की गई। इस दौरान सब-स्ट्रक्चर और सुपर-स्ट्रक्चर डिज़ाइन के लिए जरूरी जियोटेक्निकल जांच भी पूरी हो चुकी है। परियोजना के निर्माण के लिए ईपीसी मोड (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) में टेंडर जारी कर दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया के पूरा होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

इस पुल के बनने से क्या होंगे फायदे

यह पुल न केवल गुवाहाटी क्षेत्र में रेल और सड़क यातायात की क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उद्योग, पर्यटन और व्यापार को भी गति देगा। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना के चलते स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अधिकारी ने बताया, यह पुल मौजूदा सारईघाट पुल का पूरक होगा और पूर्वोत्तर भारत की परिवहन संरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। यह परियोजना असम की कनेक्टिविटी और पूर्वोत्तर भारत के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर जारी, भारत ने सबक सिखाया, दुनिया की कोई ताकत हमें निर्देश नहीं दे सकती: उपराष्ट्रपति धनखड़

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि ऑपेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवादियों को सबक सिखाया है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह नहीं बता सकती कि हमें अपने मामलों को कैसे संभालना है। धनखड़ ने उपराष्ट्रपति निवास में भारतीय रक्षा संपदा सेवा

(आईडीईएस) के 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हमने उनको (पाकिस्तान और आतंकवादी) सबक सिखाया और अच्छे से सिखाया। हमने बहावलपुर और मुरिदके को चुना और फिर अस्थायी समझौते पर पहुंचे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, जारी है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा, कुछ लोग सवाल करते हैं कि इसे क्यों रोका गया? हम शांति और अहिंसा में भरोसा रखने वाला देश हैं। यह (गौतम) बुद्ध, महावीर और (महात्मा) गांधी की धरती है। हम तो जीवों को भी नहीं मारना चाहते हैं, फिर इंसानों को कैसे निशाना बना सकते हैं? हमारा मकसद लोगों में समझ और मानवता की भावना को जगाने का था। हमने कड़ा सबक दिया है। हालांकि, हमारे कुछ लोगों को इसे समझना होगा और इसकी सराहना करनी होगी। उन्होंने आगे कहा, बाहर की कहानियों से प्रभावित न हों। एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में इस देश में सभी फैसले इसके नेतृत्व की ओर से लिए जाते हैं। दुनिया में ऐसी कोई ताकत नहीं है जो भारत को यह निर्देश दे कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है।

जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

- तीनों तहसीलों में कुल 105 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 09 का निस्तारण
- जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज लोनी का स्थलीय निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

शासनादेश के मद्देनज़र माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया गया। जिसके क्रम में गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर शिकायत का समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाएं। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एसडीएम राजेन्द्र सिंह, एसीपी लोनी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एडीएम रणविजय सिंह की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 25 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम अजीत सिंह, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 04 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान के पश्चात जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज लोनी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीएसए ओपी यादव व सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालय में इन्टरनेट, खेलकूद आदि की पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराया जाय। बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने व उनकी प्रतिभा को निखारने हेतु हर सम्भव प्रयास किया जाएं। बच्चों को जिस कार्य जैसे संगीत, शिक्षा सहित खेलों में रूचि हो उसमें उनकी प्रतिभा को निखारने का हर सम्भव प्रयास किया जाएं। साथ ही विद्यालय में स्वच्छता का ध्यान रखा जाएं। बच्चों को पौष्टिक खाना दिया जाये। उन्होने बीएसए को निर्देशित कि शासनादेश के क्रम में विद्यालय का निरीक्षण किया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा लोनी स्थित पंचायारा गांव के पास यमुना नदी पर बने बंदा पुस्ता क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया।

देहरादून का उभरता ग्लोबल एजुकेशन हब: माया देवी विश्वविद्यालय

जन एक्सप्रेस। देहरादून

माया देवी विश्वविद्यालय (एमडीयू), देहरादून, पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़ते हुए आज एक नवाचार-संचालित और समग्र विकास-उन्मुख संस्थान के रूप में देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुका है। यहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि छात्रों को तकनीक, रचनात्मकता और सामाजिक प्रभाव से जोड़कर उन्हें 21वीं सदी के लीडर्स के रूप में तैयार किया जाता है। अत्याधुनिक प्रयोग शालाओं, इंडस्ट्री -फोकस्ड करिकुलम और प्रैक्टिकल लर्निंग के माहौल ने एमडीयू को देहरादून का एक उभरता हुआ वैश्विक शिक्षा केंद्र बना दिया है। एमडीयू द्वारा हाल ही में आयोजित हैशटैगडिजिटलकैटेलिस्टप्रोग्राम2025 विश्वविद्यालय की नवाचार-प्रधान सोच का जीवंत उदाहरण है। विश्वविद्यालय ने कल्पवृक्ष सस्टेनेबल डेवलपमेंट सोसाइटी के सहयोग से डीसीपी 2025 (डिजिटल कैटेलिस्ट प्रोग्राम 2025) की शुरुआत की- एक पूर्णतः निःशुल्क रेसिडेंशियल कार्यक्रम, जो उत्तराखंड बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 ग्रामीण और वंचित छात्रों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया, जिसमें छात्रों को

डिजिटल टेक्नो लॉजी, इनोवेशन और चेंज मेकिंग से जुड़े विविध विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने न केवल पायथन प्रोग्रामिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, डेटा एनालिसिस और एआई टूल्स सीखे, बल्कि उन्होंने लीडरशिप और सोशल इम्पैक्ट से जुड़ी स्किल्स भी विकसित कीं। इसके अलावा, छात्रों को देहरादून के रीजनल साइंस सेंटर में वैज्ञानिक जिज्ञासा और खोज की भावना को प्रायोगिक रूप में अनुभव करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान आयोजित डमी शार्क टैंक सेशन में छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ अपने टेक-फॉर-चेंज आइडि याज़ प्रस्तुत किए, जहाँ उन्हें तार्किक सवालों और रचनात्मक सुझावों से और बेहतर बनने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

इस पूरे कार्यक्रम का सबसे रोमांचक और चर्चित हिस्सा रहा एआई एंड फ्यूचर टूल्स पर आधारित वर्कशॉप, जिसे आईआईटी रोपड़ से पीएचडी कर चुके और एनटीयू स्कॉलर डॉ. सचिन चौधरी द्वारा संचालित किया गया। इस सत्र में छात्रों ने चैटजीपीटी, कैनवा, सुनो एआई और वीओ.डीईवी जैसे आधुनिक डिजिटल टूल्स का उपयोग कर कंटेंट निर्माण, मशीनों से संवाद और डिजिटल क्रिएटिविटी जैसे कौशलों का वास्तविक अनुभव लिया। माया देवी विश्वविद्यालय (एमडीयू), देहरादून अब केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच बन चुका है जहां से छात्र वैश्विक करियर की उड़ान भर रहे हैं। 2025 सत्र के लिए यूनिवर्सिटी ने एडमिशन खोल दिए हैं, और ये मौका उन सभी युवाओं के लिए है जो 43.6 लाख तक के उच्चतम पैकेज और 5.6 लाख के औसत पैकेज के साथ अपने भविष्य को उड़ान देना चाहते हैं। कॉग्निजेंट, आईएमएच, रनिंग वेयरहाउस जैसी नामचीन कंपनियों में एमडीयू के छात्रों ने अपनी पहचान बनाई है। माया देवी विश्वविद्यालय (एमडीयू), देहरादून एक ऐसा शिक्षण संस्थान है जो छात्रों को न केवल डिग्री प्रदान करता है, बल्कि उन्हें स्किल्स, ग्लोबल एक्सपोज़र और रियल-टाइम लर्निंग से लैस कर 360 डिग्री ग्रोथ की दिशा में अग्रसर करता है। यूजीसी, एनसीटीई, पीसीआई और उत्तराखंड सरकार से मान्यता प्राप्त यह विश्वविद्यालय 150 से अधिक डिग्री, पीजी और रिसर्च प्रोग्राम्स के माध्यम से छात्रों को उनकी रुचि और करियर लक्ष्यों के अनुसार व्यापक अवसर उपलब्ध कराता है। यहाँ की इंडस्ट्री-फोकस्ड अकादमिक मॉडल, इनो वेटिव टीचिंग मेथड, आधुनिक प्रयोग शालाएं, और इंडस्ट्री-रेडी प्रोग्राम्स छात्रों को प्रतियोगी दुनिया में सफल होने के लिए तैयार करती है। इसके साथ ही, एमडीयूसीईटी 2025 के माध्यम से छात्र 100 प्रतिशत तक की मेरिट आधारित छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकते हैं। यह परीक्षा न केवल छात्रों की योग्यता को पहचानने का माध्यम है, बल्कि उन्हें एक सशक्त शैक्षणिक प्लेटफॉर्म भी प्रदान करती है। यदि आप एक ऐसी यूनिवर्सिटी की तलाश में हैं जो आपको शिक्षा और करियर दोनों में उत्कृष्टता प्रदान करे, तो माया देवी विश्वविद्यालय, देहरादून आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए आदर्श विकल्प है।

केएफसी आउटलेट को बंद कराने पहुंचे हिंदू रक्षा दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्यवाही

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

- सड़कों के बाद अब नगरों में भी मांसाहारी व्यंजन की दुकानों पर हंगामा

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र अंतर्गत वसुंधरा इलाके में बीते दिवस हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने झंडा बैनर लेकर बहुराष्ट्रीय चिकन सहित अन्य खाद्य उत्पाद बेचने वाले के व्यंजन कंपनी के आउटलेट में घुसकर हंगामा किया और मांसाहार विक्रय को लेकर प्रतिरोध जताया। जबकि जिस परिसर में आउटलेट चल रहा है वह खुद भाजपा नेता के संबंधियों का बताया जा रहा है। हंगामे की ख़बर और बहुराष्ट्रीय कंपनी का मामला होने के कारण थाना पुलिस सक्रिय हुई और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की बात कही जा रही है। सावन मास आरंभ होते ही हरिद्वार से गाजियाबाद मार्ग के बीच खूब हिंदूवादी संगठनों के लोगों द्वारा मांसाहारी ढाबों और रेस्तरां की जांच के नाम पर प्रशासन के समानांतर चेकिंग अभियान छेदी दिया था।जिसमें आधार कार्ड और पेमेंट के स्कैनर तक की जाँच भी शुरू कर दिया। लेकिन पुलिस प्रशासन के सक्रिय होने के बाद उनके पांव पीछे हटे थे। उसके बाद भी गाहे बगाहे ऐसे हिंदूवादी संगठनों द्वारा धर्म के नाम पर जबरदस्ती की वारदात किए ही जा रहे हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनी का नाम और परिसर स्वामी की भाजपा नेता का कनेक्शन

पुलिस ने जिस प्रकार हिन्दू संगठन के कार्यकताओं के खिलाफ अभियान शुरू किया है उसके पीछे दो बिंदु चर्चा का विषय बन रहे हैं। पहला यह कि यह आउटलेट बहुराष्ट्रीय कंपनी के एफ सी के नाम ब्रैंड के साथ संचालित हो रही है। जो विश्व प्रसिद्ध चिकन उत्पाद के लिए जानी जाती है। जिसके आउटलेट पर हंगामे में पुलिसिया शांति का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी पड़ता और उसका विरोध बड़े स्तर पर होता उससे पुलिस प्रशासन बचाना चाहता था । दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह कि जिस परिसर में यह आउटलेट संचालित है वह खुद भाजपा के बड़े दबंग छवि वाले नेता के नजदीकी संबंधियों का है। जिसके बाद भी पुलिस पर दबाव के कयास लगाए जा रहे हैं। जिससे ऐसे अराजक तत्वों पर सदा के लिए अंकुश लग जाए ।

जनता के हितों पर भारी पड़ती निगम की हटवादिता, पार्षद और निगम कर्मचारी आमने-सामने

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

- डीएम सर्किट रेट से वसूली की कार्यवाही निरस्त करने के सदन के प्रस्ताव के बाद कार्यवाही की लिखित कार्यवाही को निगम प्रशासन ने देने से किया इंकार

गाजियाबाद नगर निगम में हाउस टैक्स वृद्धि को लेकर चल रहा विवाद अब विवादों का केंद्र बन गया है । जिसमें अब नगर निगम कमर्चारियों के कूदने से मामला और भी नाटकीय हो गया है। जिससे नगर निगम प्रशासन और पार्षद अब सीधे आमने सामने हैं। भाजपा राज में अपने ही ट्रिपल इंजन के सारथियों के उपेक्षा के शिकार जनता के जनप्रतिनिधि और जनता दोनों हो रही हैं। जबकि निगम प्रशासन आंख मोड़ कर जनता पर सदन की कार्यवाही के अलग अपनी ढपली अपना राग अलाप रही है। नगर निगम सदन की बोर्ड बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सहित जिले के विधायकों के साथ पार्षदों द्वारा डीएम सर्किट रेट की वसूली का प्रस्ताव निरस्त होने के बाद भी सदन की कार्यवाही के मिनट्स का ब्यौरा निगम प्रशासन अभी तक देने में असफल रहा और जनता से लगातार अत्यधिक दर पर हाउस टैक्स की वसूली की शिकायत लगातार जारी है। निगम बोर्ड बैठक के बाद पार्षदों द्वारा बोर्ड बैठक पारित प्रस्ताव समेत कार्यवाही की मांग को लेकर निगम परिसर में जारी धरना अब एक नए मोड़ पर

पहुंच गया है। निगम प्रशासन शह माने अथवा संरक्षण कथित रूप से नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा भी निगम कार्यालय के गेट पर धरना देने के लिए बैठ गए हैं । इस घटनाक्रम ने निगम दफ्तर को एक तरह से अखाड़े में तब्दील कर दिया है। 30 जून 2025 को हुई नगर निगम की बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स वृद्धि के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से खारिज कर दिया गया था। इस बैठक में सांसद, मंत्री, विधायक, सभी पार्षद और मेयर

मौजूद थे। इसके बावजूद, नगर निगम द्वारा बढ़ी हुई दरों पर हाउस टैक्स की वसूली जारी रखने का आरोप पार्षदों ने लगाया है। पार्षदों ने 4 जुलाई को बैठक के मिनट्स की कॉपी मांगी, जिसे 10 दिनों में देने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, 14 जुलाई को दोबारा मांग करने पर अधिकारियों ने समय मांगा, जिससे पार्षदों का गुस्सा भड़क गया। 18 जुलाई को पार्षदों ने एकजुट होकर निगम कार्यालय में धरना शुरू किया और मिनट्स की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की। पार्षदों का कहना है कि जब तक मिनट्स की कॉपी नहीं मिलती, वे धरना जारी रखेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने अपने कोटे के कार्यों को रोकने और टेंडर जारी न करने के लिए निगम अधिकारियों पर मनमानी का आरोप भी लगाया। पार्षदों के धरने के जवाब में धरने पर बैठे नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि उनकी कई मांगें, जैसे वेतन विसंगति और पदोन्नति, लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन इन पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि पार्षदों का धरना उनके कार्यों में बाधा डाल रहा है। नगर निगम दफ्तर में पार्षदों और कर्मचारियों के आमने-सामने धरने ने स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया है। एक तरफ पार्षद हाउस टैक्स वृद्धि को रद्द करने और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं, वहीं कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर निगम प्रशासन के समर्थन में खड़े हैं। पार्षदों का कहना है कि निगम अधिकारियों की कार्यशैली पारदर्शिता के खिलाफ है। उनके कोटे के विकास कार्यों को रोक दिया गया है, और टेंडर प्रक्रिया में देरी की जा रही है। पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि निगम प्रशासन जनता के हितों को अनदेखा कर रहा है। दूसरी ओर, कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों को पूरा करने के लिए निगम को पहले उनकी बात सुननी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रीतिका प्रिंटिंग प्रेस, 9, प्रगति विहार, देहरादून से मुद्रित तथा 543, बी-1, तपकेश्वर कॉलोनी, गढ़ी कैण्ट, देहरादून पिन-248003, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, मोबाइल नं. 8933805555, राज्य ब्यूरो प्रमुख (उत्तराखंड) - दीपक मिशवाण, मोबाइल नं0- 95577 66152 आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UTTHIN/2014/59760, E-mail: janexpress.ddn@gmail.com (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून स्थित न्यायालय होगा।)